لَا یُحِبُّ اللّٰهُ الْجَهْرَ بِالسُّوْٓءِ مِنَ الْقَوْلِ اِلَّا مَنْ

बुरे कलाम से आवाज़ बुलन्द करना अल्लाह को पसन्द नहीं मगर जो

ظُلِمَ ؕ وَ كَانَ اللّٰهُ سَمِیْعًا عَلِیْمًا ﴿١٤٨﴾ اِنْ تُبْدُوْا خَیْرًا

मज़लूम हो। और अल्लाह सुनने वाले, इल्म वाले हैं। अगर किसी भलाई को ज़ाहिर करो

اَوْ تُخْفُوْهُ اَوْ تَعْفُوْا عَنْ سُوْٓءٍ فَاِنَّ اللّٰهَ كَانَ عَفُوًّا

या उसे तुम छुपाओ या किसी बुराई से मुआफ कर दो तो यक़ीनन अल्लाह बहोत ज़्यादा मुआफ करने वाला,

قَدِیْرًا ﴿١٤٩﴾ اِنَّ الَّذِیْنَ یَكْفُرُوْنَ بِاللّٰهِ وَ رُسُلِهٖ

कदरदाँ है। यक़ीनन वो लोग जो कुफ्र करते हैं अल्लाह के साथ और उस के पैग़म्बरों के साथ

وَ یُرِیْدُوْنَ اَنْ یُّفَرِّقُوْا بَیْنَ اللّٰهِ وَرُسُلِهٖ وَ یَقُوْلُوْنَ

और जो चाहते हैं के वो अल्लाह और उस के पैग़म्बरों के दरमियान फर्क करें और केहते हैं के

نُؤْمِنُ بِبَعْضٍ وَّ نَكْفُرُ بِبَعْضٍ ۙ وَّ یُرِیْدُوْنَ

हम बाज़ पैग़म्बरों पर ईमान रखते हैं और बाज़ के साथ कुफ्र करते हैं। और वो चाहते हैं के

اَنْ یَّتَّخِذُوْا بَیْنَ ذٰلِكَ سَبِیْلًا ﴿١٥٠﴾ اُولٰٓئِكَ هُمُ الْكٰفِرُوْنَ

वो उस के दरमियान रास्ता बनाएं। यही लोग ये हक़ीक़ी काफिर

حَقًّا ۚ وَاَعْتَدْنَا لِلْكٰفِرِیْنَ عَذَابًا مُّهِیْنًا ﴿١٥١﴾ وَالَّذِیْنَ

हैं। और हम ने काफिरों के लिए रूस्वा करने वाला अज़ाब तय्यार कर रखा है। और जो लोग

اٰمَنُوْا بِاللّٰهِ وَرُسُلِهٖ وَلَمْ یُفَرِّقُوْا بَیْنَ اَحَدٍ مِّنْهُمْ

ईमान लाए हैं अल्लाह पर और उस के पैग़म्बरों पर और उन्हों ने उन में से किसी के दरमियान तफरीक़ नहीं की

اُولٰٓئِكَ سَوْفَ یُؤْتِیْهِمْ اُجُوْرَهُمْ ؕ وَ كَانَ اللّٰهُ

तो यही लोग हैं के जिन्हें अल्लाह अनक़रीब उन के सवाब देगा। और अल्लाह बहोत ज़्यादा

ع ٢١

غَفُوْرًا رَّحِیْمًا ﴿١٥٢﴾ یَسْئَلُكَ اَهْلُ الْكِتٰبِ اَنْ تُنَزِّلَ

बख्शने वाला, निहायत रहम वाला है। एहले किताब आप से सवाल करते हैं के आप उन पर

عَلَیْهِمْ كِتٰبًا مِّنَ السَّمَآءِ فَقَدْ سَاَلُوْا مُوْسٰٓى اَكْبَرَ

आसमान से कोई लिखी हुई किताब उतारें, तो यक़ीनन उन्हों ने मूसा (अलैहिस्सलाम) से इस से भी बड़ी

مِنْ ذٰلِكَ فَقَالُوْٓا اَرِنَا اللّٰهَ جَهْرَةً فَاَخَذَتْهُمُ

चीज़ का सवाल किया था के उन्हों ने कहा था के आप हमें अल्लाह को खुल्लम खुल्ला दिखाइए, फिर उन को उन के

الصّٰعِقَةُ بِظُلْمِهِمْ ۚ ثُمَّ اتَّخَذُوا الْعِجْلَ مِنْۢ بَعْدِ
ज़ुल्म की वजह से बिजली ने पकड़ लिया। फिर उन्हों ने बछड़े को माबूद बनाया इस के

مَا جَآءَتْهُمُ الْبَيِّنٰتُ فَعَفَوْنَا عَنْ ذٰلِكَ ۚ وَاٰتَيْنَا
बाद के उन के पास रोशन मोअजिज़ात आए, फिर हम ने उस से दरगुज़र कर दिया। और हम ने

مُوْسٰى سُلْطٰنًا مُّبِيْنًا ﴿۱۵۳﴾ وَ رَفَعْنَا فَوْقَهُمُ الطُّوْرَ
मूसा (अलैहिस्सलाम) को रोशन मोअजिज़ा दिया। और हम ने बनी इस्राईल पर कोहे तूर को उठाया

بِمِيْثَاقِهِمْ وَ قُلْنَا لَهُمُ ادْخُلُوا الْبَابَ سُجَّدًا وَّقُلْنَا
उन से अहद लेने के लिए और हम ने उन से कहा के तुम दरवाज़े में दाखिल हो जाओ सजदा करते हुए और हम ने

لَهُمْ لَا تَعْدُوْا فِي السَّبْتِ وَاَخَذْنَا مِنْهُمْ مِّيْثَاقًا
उन से कहा के सनीचर के बारे में ज़्यादती मत करो और हम ने उन से भारी

غَلِيْظًا ﴿۱۵۴﴾ فَبِمَا نَقْضِهِمْ مِّيْثَاقَهُمْ وَ كُفْرِهِمْ بِاٰيٰتِ
अहद लिया। फिर उन के अपना अहद तोड़ने की वजह से और उन के कुफ्र करने की वजह से अल्लाह की आयात

اللّٰهِ وَقَتْلِهِمُ الْاَنْۢبِيَآءَ بِغَيْرِ حَقٍّ وَّقَوْلِهِمْ قُلُوْبُنَا
के साथ और उन के अम्बिया को नाहक़ क़त्ल करने की वजह से और उन के ये केहने की वजह से के हमारे दिल

غُلْفٌ ۭ بَلْ طَبَعَ اللّٰهُ عَلَيْهَا بِكُفْرِهِمْ فَلَا يُؤْمِنُوْنَ
महफूज़ हैं। बल्के अल्लाह ने उन पर मुहर लगा दी है उन के कुफ्र की वजह से, फिर वो ईमान नहीं लाएंगे

اِلَّا قَلِيْلًا ﴿۱۵۵﴾ وَّبِكُفْرِهِمْ وَ قَوْلِهِمْ عَلٰى مَرْيَمَ
मगर थोड़े। और उन के कुफ्र की वजह से और उन के मरयम (अलैहस्सलाम) पर भारी

بُهْتَانًا عَظِيْمًا ﴿۱۵۶﴾ وَّقَوْلِهِمْ اِنَّا قَتَلْنَا الْمَسِيْحَ
बोहतान केहने की वजह से। और उन के ये केहने की वजह से के हम ने मसीह ईसा इब्ने मरयम (अलैहिमस्सलाम)

عِيْسَى ابْنَ مَرْيَمَ رَسُوْلَ اللّٰهِ ۚ وَمَا قَتَلُوْهُ
को क़त्ल कर दिया जो अल्लाह के रसूल हैं। हालांके उन्हों ने उन को क़त्ल नहीं किया

وَمَا صَلَبُوْهُ وَلٰكِنْ شُبِّهَ لَهُمْ ۭ وَاِنَّ الَّذِيْنَ اخْتَلَفُوْا
और न उन्हों ने उन को सूली दी, लेकिन उन के सामने (किसी को ईसा अलैहिस्सलाम के) मुशाबेह बना दिया गया। और यक़ीनन वो लोग

فِيْهِ لَفِيْ شَكٍّ مِّنْهُ ۭ مَا لَهُمْ بِهٖ مِنْ عِلْمٍ اِلَّا
जो उन के बारे में इखतिलाफ कर रहे हैं यक़ीनन उन की तरफ से शक में हैं। उन के पास उस की कोई दलील

اتِّبَاعَ الظَّنِّ ۚ وَمَا قَتَلُوْهُ يَقِيْنًا ۙ﴿۱۵۷﴾ بَلْ رَّفَعَهُ اللّٰهُ

नहीं सिवाए गुमान के पीछे चलने के। और यक़ीनन उन्हों ने उन को क़त्ल नहीं किया। बल्के अल्लाह ने उन को

اِلَيْهِ ؕ وَكَانَ اللّٰهُ عَزِيْزًا حَكِيْمًا ﴿۱۵۸﴾ وَاِنْ مِّنْ اَهْلِ

अपनी तरफ उठा लिया। और अल्लाह ज़बर्दस्त हैं, हिक्मत वाले हैं। और सब ही एहले किताब

الْكِتٰبِ اِلَّا لَيُؤْمِنَنَّ بِهٖ قَبْلَ مَوْتِهٖ ۚ وَ يَوْمَ الْقِيٰمَةِ

उन (ईसा अलैहिस्सलाम) की मौत से पेहले ज़रूर उन पर ईमान लाएंगे। और क़यामत के दिन

يَكُوْنُ عَلَيْهِمْ شَهِيْدًا ۚ﴿۱۵۹﴾ فَبِظُلْمٍ مِّنَ الَّذِيْنَ هَادُوْا

वो उन पर गवाह होंगे। फिर यहूदियों के ज़ुल्म की वजह से

حَرَّمْنَا عَلَيْهِمْ طَيِّبٰتٍ اُحِلَّتْ لَهُمْ وَ بِصَدِّهِمْ

हम ने उन पर हराम कीं पाकीज़ा चीज़ें जो उन के लिए हलाल की गई थीं और उन के अल्लाह के रास्ते से

عَنْ سَبِيْلِ اللّٰهِ كَثِيْرًا ۙ﴿۱۶۰﴾ وَّاَخْذِهِمُ الرِّبٰوا وَقَدْ نُهُوْا

बहोत ज़्यादा रोकने की वजह से। और उन के सूद लेने की वजह से हालांके उन को उस से मना किया गया था

عَنْهُ وَاَكْلِهِمْ اَمْوَالَ النَّاسِ بِالْبَاطِلِ ؕ وَاَعْتَدْنَا

और उन के लोगों के मालों को बातिल तरीक़े से खाने की वजह से। और हम ने उन में से

لِلْكٰفِرِيْنَ مِنْهُمْ عَذَابًا اَلِيْمًا ﴿۱۶۱﴾ لٰكِنِ الرّٰسِخُوْنَ

काफिरों के लिए दर्दनाक अज़ाब तय्यार कर रखा है। लेकिन जो उन में से इल्म

فِي الْعِلْمِ مِنْهُمْ وَالْمُؤْمِنُوْنَ يُؤْمِنُوْنَ بِمَاۤ اُنْزِلَ

में पुख़्तगी वाले हैं और जो मोमिन हैं वो ईमान रखते हैं उस किताब पर जो आप की तरफ

اِلَيْكَ وَمَاۤ اُنْزِلَ مِنْ قَبْلِكَ وَالْمُقِيْمِيْنَ الصَّلٰوةَ

उतारी गई है और उन किताबों पर जो आप से पेहले उतारी गईं और जो नमाज़ क़ाइम करने वाले हैं

وَالْمُؤْتُوْنَ الزَّكٰوةَ وَ الْمُؤْمِنُوْنَ بِاللّٰهِ وَالْيَوْمِ

और जो ज़कात देने वाले हैं और जो अल्लाह पर ईमान रखने वाले हैं और आखिरी दिन पर ईमान रखने

ع ٢٢ ٢ الْاٰخِرِ ؕ اُولٰٓئِكَ سَنُؤْتِيْهِمْ اَجْرًا عَظِيْمًا ۧ﴿۱۶۲﴾ اِنَّاۤ اَوْحَيْنَاۤ

वाले हैं। यही लोग हैं के अनक़रीब हम उन्हें बड़ा अज्र देंगे। यक़ीनन हम ने आप की तरफ

اِلَيْكَ كَمَاۤ اَوْحَيْنَاۤ اِلٰى نُوْحٍ وَّالنَّبِيّٖنَ مِنْ بَعْدِهٖ ۚ

वही की जैसा के हम ने वही की नूह (अलैहिस्सलाम) की तरफ और नूह (अलैहिस्सलाम) के बाद दूसरे अम्बिया की तरफ।

وَ اَوْحَيْنَآ اِلٰٓى اِبْرٰهِيْمَ وَ اِسْمٰعِيْلَ وَاِسْحٰقَ وَ يَعْقُوْبَ
और हम ने वही की इब्राहीम, और इस्माईल, और इसहाक़ और याकूब (अलैहिमुस्सलाम) की तरफ
وَالْاَسْبَاطِ وَ عِيْسٰى وَ اَيُّوْبَ وَ يُوْنُسَ وَ هٰرُوْنَ
और याकूब (अलैहिस्सलाम) के बेटों की तरफ और ईसा और अय्यूब और यूनुस और हारून और सुलैमान (अलैहिमुस्सलाम)
وَ سُلَيْمٰنَ ۚ وَاٰتَيْنَا دَاوٗدَ زَبُوْرًا ﴿۱۶۳﴾ وَ رُسُلًا قَدْ
की तरफ। और हम ने दावूद (अलैहिस्सलाम) को ज़बूर दी। और हम ने पैग़म्बर (भेजे)
قَصَصْنٰهُمْ عَلَيْكَ مِنْ قَبْلُ وَ رُسُلًا لَّمْ نَقْصُصْهُمْ
जिन के क़िस्से हम ने इस से पेहले आप के सामने बयान किए और कुछ पैग़म्बर (भेजे) जिन के क़िस्से हम ने
عَلَيْكَ ؕ وَ كَلَّمَ اللّٰهُ مُوْسٰى تَكْلِيْمًا ﴿۱۶۴﴾ رُسُلًا
आप के सामने बयान नहीं किए। और अल्लाह ने मूसा (अलैहिस्सलाम) से कलाम फरमाया। रसूलों को
مُّبَشِّرِيْنَ وَ مُنْذِرِيْنَ لِئَلَّا يَكُوْنَ لِلنَّاسِ عَلَى اللّٰهِ
भेजा बशारत देने वाले और डराने वाले बना कर ताके इन्सानों के लिए उन पैग़म्बरों के बाद अल्लाह के
حُجَّةٌۢ بَعْدَ الرُّسُلِ ؕ وَكَانَ اللّٰهُ عَزِيْزًا حَكِيْمًا ﴿۱۶۵﴾
खिलाफ कोई हुज्जत बाक़ी न रहे। और अल्लाह ज़बर्दस्त है, हिक्मत वाला है।
لٰكِنِ اللّٰهُ يَشْهَدُ بِمَآ اَنْزَلَ اِلَيْكَ اَنْزَلَهٗ بِعِلْمِهٖ ۚ
लेकिन अल्लाह गवाही देते हैं उस पर जो उस ने आप की तरफ कुरआन उतारा के अल्लाह ने कुरआन अपने इल्म से उतारा है।
وَالْمَلٰٓئِكَةُ يَشْهَدُوْنَ ؕ وَ كَفٰى بِاللّٰهِ شَهِيْدًا ﴿۱۶۶﴾
और फरिश्ते भी गवाही देते हैं। और अल्लाह ही गवाह काफी है।
اِنَّ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا وَ صَدُّوْا عَنْ سَبِيْلِ اللّٰهِ قَدْ
यक़ीनन वो लोग जिन्हों ने कुफ्र किया और अल्लाह के रास्ते से रोका,
ضَلُّوْا ضَلٰلًا ۢ بَعِيْدًا ﴿۱۶۷﴾ اِنَّ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا وَظَلَمُوْا
वो दूर की गुमराही में गुमराह हो गए। यक़ीनन वो लोग जिन्हों ने कुफ्र किया और ज़ुल्म किया
لَمْ يَكُنِ اللّٰهُ لِيَغْفِرَ لَهُمْ وَلَا لِيَهْدِيَهُمْ طَرِيْقًا ﴿۱۶۸﴾
तो अल्लाह ऐसा नहीं है के उन की मग़फिरत करे और ऐसा नहीं है के उन्हें रास्ते की हिदायत दे।
اِلَّا طَرِيْقَ جَهَنَّمَ خٰلِدِيْنَ فِيْهَآ اَبَدًا ؕ وَ كَانَ
मगर जहन्नम के रास्ते की, जिस में वो हमेशा रहेंगे। और

ذٰلِكَ عَلَى اللّٰهِ يَسِيْرًا ﴿١٦٩﴾ يٰۤاَيُّهَا النَّاسُ قَدْ جَآءَكُمُ
ये अल्लाह पर आसान है। ऐ इन्सानो! यक़ीनन तुम्हारे पास ये पैग़म्बर हक़ ले कर आए हैं

الرَّسُوْلُ بِالْحَقِّ مِنْ رَّبِّكُمْ فَاٰمِنُوْا خَيْرًا لَّكُمْ ؕ
तुम्हारे रब की तरफ से, फिर तुम ईमान ले आओ, (अगर ईमान लाओगे) तो तुम्हारे लिए बेहतर होगा।

وَاِنْ تَكْفُرُوْا فَاِنَّ لِلّٰهِ مَا فِى السَّمٰوٰتِ وَالْاَرْضِ ؕ
और अगर कुफ्र करोगे तो यक़ीनन अल्लाह की मिल्क हैं वो तमाम चीज़ें जो आसमानों में हैं और जो ज़मीन में हैं।

وَكَانَ اللّٰهُ عَلِيْمًا حَكِيْمًا ﴿١٧٠﴾ يٰۤاَهْلَ الْكِتٰبِ
और अल्लाह इल्म वाले, हिक्मत वाले हैं। ऐ एहले किताब!

لَا تَغْلُوْا فِیْ دِيْنِكُمْ وَلَا تَقُوْلُوْا عَلَى اللّٰهِ
तुम दीन में ग़ुलू मत करो और अल्लाह पर हक़ के सिवा

اِلَّا الْحَقَّ ؕ اِنَّمَا الْمَسِيْحُ عِيْسَى ابْنُ مَرْيَمَ رَسُوْلُ اللّٰهِ
मत कहो। मसीह ईसा इब्ने मरयम (अलैहिमस्सलाम) तो सिर्फ अल्लाह के भेजे हुए पैग़म्बर हैं

وَكَلِمَتُهٗ ۚ اَلْقٰهَاۤ اِلٰى مَرْيَمَ وَرُوْحٌ مِّنْهُ ز فَاٰمِنُوْا بِاللّٰهِ
और अल्लाह का कलिमा हैं, जिस को मरयम (अलैहस्सलाम) तक पहोंचाया था और अल्लाह की तरफ से रूह हैं। तो ईमान लाओ

وَرُسُلِهٖ ۚ قف وَلَا تَقُوْلُوْا ثَلٰثَةٌ ؕ اِنْتَهُوْا خَيْرًا لَّكُمْ ؕ اِنَّمَا
अल्लाह पर और उस के पैग़म्बरों पर। और यूँ मत कहो के (इलाह) तीन हैं। बाज़ आ जाओ, अगर तुम बाज़ आ जाओगे तो तुम्हारे लिए

وقف لازم اللّٰهُ اِلٰهٌ وَّاحِدٌ ؕ سُبْحٰنَهٗۤ اَنْ يَّكُوْنَ لَهٗ وَلَدٌ م لَهٗ
बेहतर होगा। अल्लाह तो सिर्फ यकता माबूद है। अल्लाह इस से पाक है के उस के लिए कोई औलाद हो। उस की तो मिल्क हैं

ع ٢٣ مَا فِى السَّمٰوٰتِ وَمَا فِى الْاَرْضِ ؕ وَكَفٰى بِاللّٰهِ وَكِيْلًا ﴿١٧١﴾ ع
वो तमाम चीज़ें जो आसमानों में हैं और जो ज़मीन में हैं। और अल्लाह काफी कारसाज़ है।

لَنْ يَّسْتَنْكِفَ الْمَسِيْحُ اَنْ يَّكُوْنَ عَبْدًا لِّلّٰهِ
मसीह ईसा इब्ने मरयम (अलैहिमस्सलाम) को आर नहीं है इस से के वो अल्लाह के बन्दे हैं

وَلَا الْمَلٰٓئِكَةُ الْمُقَرَّبُوْنَ ؕ وَمَنْ يَّسْتَنْكِفْ
और न मुकर्रब फरिशते इन्कार करते हैं। और जो भी अल्लाह की इबादत से आर

عَنْ عِبَادَتِهٖ وَيَسْتَكْبِرْ فَسَيَحْشُرُهُمْ اِلَيْهِ جَمِيْعًا ﴿١٧٢﴾
करेगा और बड़ा बनना चाहेगा तो अल्लाह उन तमाम को अपने पास इकट्ठा करेगा।

فَاَمَّا الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا وَعَمِلُوا الصّٰلِحٰتِ فَيُوَفِّيْهِمْ
फिर जो लोग ईमान लाए और नेक अमल करते रहे, तो उन को अल्लाह उन के सवाब

اُجُوْرَهُمْ وَ يَزِيْدُهُمْ مِّنْ فَضْلِهٖ ۚ وَاَمَّا الَّذِيْنَ اسْتَنْكَفُوْا
पूरे पूरे देगा और उन को अपने फ़ज़्ल से मज़ीद भी देगा। और अलबत्ता जो आर करेंगे

وَاسْتَكْبَرُوْا فَيُعَذِّبُهُمْ عَذَابًا اَلِيْمًا ۙ۬ وَّلَا يَجِدُوْنَ
और तकब्बुर करेंगे तो अल्लाह उन्हें दर्दनाक अज़ाब देगा। और वो अपने लिए अल्लाह के

لَهُمْ مِّنْ دُوْنِ اللّٰهِ وَلِيًّا وَّلَا نَصِيْرًا ﴿۱۷۳﴾ يٰۤاَيُّهَا
अलावा कोई हिमायती और मददगार नहीं पाएंगे। ऐ

النَّاسُ قَدْ جَآءَكُمْ بُرْهَانٌ مِّنْ رَّبِّكُمْ وَ اَنْزَلْنَاۤ
इन्सानो! यक़ीनन तुम्हारे पास तुम्हारे रब की तरफ से बुरहान आ गया और हम ने तुम्हारी

اِلَيْكُمْ نُوْرًا مُّبِيْنًا ﴿۱۷۴﴾ فَاَمَّا الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا بِاللّٰهِ وَاعْتَصَمُوْا
तरफ रोशन नूर उतारा। फिर जो लोग ईमान लाए अल्लाह पर और उस की रस्सी

بِهٖ فَسَيُدْخِلُهُمْ فِيْ رَحْمَةٍ مِّنْهُ وَ فَضْلٍ ۙ وَّيَهْدِيْهِمْ
को मज़बून पकड़ा तो जल्द ही उन को अल्लाह अपनी रहमत में और फ़ज़्ल में दाखिल करेगा। और उन्हें अपनी तरफ

اِلَيْهِ صِرَاطًا مُّسْتَقِيْمًا ﴿۱۷۵﴾ يَسْتَفْتُوْنَكَ ؕ قُلِ اللّٰهُ
सीधे रास्ते की रहनुमाई करेगा। ये आप से सवाल करते हैं। आप फरमा दीजिए के अल्लाह

يُفْتِيْكُمْ فِي الْكَلٰلَةِ ؕ اِنِ امْرُؤٌا هَلَكَ لَيْسَ لَهٗ
तुम्हें कलाला के बारे में हुक्म देते है। अगर कोई शख्स ऐसा हो के वो मर गया के जिस की औलाद न हो

وَلَدٌ وَّلَهٗۤ اُخْتٌ فَلَهَا نِصْفُ مَا تَرَكَ ۚ وَهُوَ يَرِثُهَاۤ
इस हाल में के उस की बेहेन हो, तो उस के लिए उस माल का आधा हिस्सा है जो मरने वाले ने छोड़ा। और वो उस

اِنْ لَّمْ يَكُنْ لَّهَا وَلَدٌ ؕ فَاِنْ كَانَتَا اثْنَتَيْنِ فَلَهُمَا
बेहेन का वारिस होगा अगर उस बेहेन की औलाद न हो। फिर अगर वो दो बेहनें हों तो उन दो बेहनों के लिए

الثُّلُثٰنِ مِمَّا تَرَكَ ؕ وَاِنْ كَانُوْۤا اِخْوَةً رِّجَالًا وَّنِسَآءً
दो सुलुस मिलेगा उस माल में से जो भाई ने छोड़ा। और अगर वो कई भाई और बेहनें हों

فَلِلذَّكَرِ مِثْلُ حَظِّ الْاُنْثَيَيْنِ ؕ يُبَيِّنُ اللّٰهُ لَكُمْ
तो मर्द के लिए दो औरतों के हिस्से के बराबर है। अल्लाह तुम्हारे लिए साफ साफ बयान कर रहे हैं

عـ ٢٤ ١٥ ٢

اَنْ تَضِلُّوْا ۭ وَاللّٰهُ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيْمٌ ۝١٧٦

ताके तुम गुमराह न हो जाओ। और अल्लाह हर चीज़ को खूब जानने वाले हैं।

اٰيَاتُهَا ١٢٠ (٥) سُوْرَةُ الْمَآئِدَةِ مَدَنِيَّةٌ (١١٢) رُكُوْعَاتُهَا ١٦

उस में १२० आयतें हैं सूरह माइदा मदीना में नाज़िल हुई और १६ रूकूअ हैं

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ۝

पढ़ता हूँ अल्लाह का नाम ले कर जो बड़ा महरबान, निहायत रहम वाला है।

اَلْمَنْزِلُ الثَّانِيْ (٢)

يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ اٰمَنُوْٓا اَوْفُوْا بِالْعُقُوْدِ ۭ اُحِلَّتْ لَكُمْ

ऐ ईमान वालो! अहद व क़रार पूरे करो। तुम्हारे लिए हलाल किए गए

بَهِيْمَةُ الْاَنْعَامِ اِلَّا مَا يُتْلٰى عَلَيْكُمْ غَيْرَ مُحِلِّي

चरने वाले चौपाए सिवाए उन के जो तुम पर आइन्दा तिलावत किए जाएंगे इस हाल में के तुम शिकार को हलाल

الصَّيْدِ وَاَنْتُمْ حُرُمٌ ۭ اِنَّ اللّٰهَ يَحْكُمُ مَا يُرِيْدُ ۝١

समझने वाले न हो मुहरिम होने की हालत में। यक़ीनन अल्लाह फैसला करता है वही जो वो चाहता है।

يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا لَا تُحِلُّوْا شَعَآئِرَ اللّٰهِ

ऐ ईमान वालो! तुम अल्लाह के शआइर को हलाल मत करो

وَلَا الشَّهْرَ الْحَرَامَ وَلَا الْهَدْيَ وَلَا الْقَلَآئِدَ

और न हुरमत वाले महीने को और न हदी के जानवरों को और न पट्टे वाले जानवरों को

وَلَآ اٰمِّيْنَ الْبَيْتَ الْحَرَامَ يَبْتَغُوْنَ فَضْلًا مِّنْ رَّبِّهِمْ

और न हुरमत वाले घर का इरादा करने वालों को, जो अपने रब का फ़ज़्ल तलब करते हैं

وَرِضْوَانًا ۭ وَاِذَا حَلَلْتُمْ فَاصْطَادُوْا ۭ وَلَا يَجْرِمَنَّكُمْ

और उस की खुशनूदी तलब करते हैं। और जब हलाल हो जाओ, तब तुम शिकार करो। और तुम्हें आमादा न करे

شَنَاٰنُ قَوْمٍ اَنْ صَدُّوْكُمْ عَنِ الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ

किसी क़ौम की दुशमनी इस वजह से के उन्हों ने तुम्हें मस्जिदे हराम से रोका था

وقف لازم

اَنْ تَعْتَدُوْا ۘ وَتَعَاوَنُوْا عَلَى الْبِرِّ وَالتَّقْوٰى ۠ وَلَا تَعَاوَنُوْا

इस बात पर के ज़्यादती करो। बल्के तुम एक दूसरे से नेकी और तक़्वे पर तआवुन करो। और तआवुन मत करो

عَلَى الْاِثْمِ وَالْعُدْوَانِ ۠ وَاتَّقُوا اللّٰهَ ۭ اِنَّ اللّٰهَ شَدِيْدُ

गुनाह पर और ज़ुल्म पर। और अल्लाह से डरो। यक़ीनन अल्लाह सख्त सज़ा देने

رکوع

الْعِقَابِ۝۲ حُرِّمَتْ عَلَيْكُمُ الْمَيْتَةُ وَالدَّمُ وَلَحْمُ

वाले हैं। तुम पर हराम किया गया मुर्दार और खून और खिन्ज़ीर का

الْخِنْزِيْرِ وَمَآ اُهِلَّ لِغَيْرِ اللّٰهِ بِهٖ وَالْمُنْخَنِقَةُ

गोश्त और वो जानवर जिन पर ग़ैरूल्लाह का नाम लिया गया हो और गला घोंटा हुवा

وَالْمَوْقُوْذَةُ وَالْمُتَرَدِّيَةُ وَالنَّطِيْحَةُ وَمَآ اَكَلَ

और टकरा कर मरा हुवा और ऊपर से लुढ़क कर मरा हुवा और वो जानवर जिसे किसी जानवर ने सींग मार कर मारा हो और वो जानवर

السَّبُعُ اِلَّا مَا ذَكَّيْتُمْ قف وَمَا ذُبِحَ عَلَى النُّصُبِ

के जिसे दरिन्दों ने खाया हो मगर वो जिन को तुम ज़बह कर लो। और हराम किया गया वो जो ज़बह किया गया हो बुतों पर

وَاَنْ تَسْتَقْسِمُوْا بِالْاَزْلَامِ ط ذٰلِكُمْ فِسْقٌ ط اَلْيَوْمَ يَئِسَ

और ये भी हराम किया गया के तुम तीरों के ज़रिए तक़सीम करो। ये नाफरमानी वाली चीज़ है। आज काफिर

الَّذِيْنَ كَفَرُوْا مِنْ دِيْنِكُمْ فَلَا تَخْشَوْهُمْ وَاخْشَوْنِ ط

लोग तुम्हारे दीन से मायूस हो गए, तो तुम उन से मत डरो और मुझ से डरो।

اَلْيَوْمَ اَكْمَلْتُ لَكُمْ دِيْنَكُمْ وَاَتْمَمْتُ عَلَيْكُمْ

आज मैं ने तुम्हारे लिए तुम्हारे दीन को मुकम्मल किया और मैं ने तुम पर अपनी नेअमत को इतमाम तक

نِعْمَتِيْ وَرَضِيْتُ لَكُمُ الْاِسْلَامَ دِيْنًا ط فَمَنِ اضْطُرَّ

पहोंचाया और मैं ने तुम्हारे लिए इस्लाम को बतौरे दीन के पसन्द किया। फिर जो शख्स मजबूर हो जाए

فِيْ مَخْمَصَةٍ غَيْرَ مُتَجَانِفٍ لِّاِثْمٍ لا فَاِنَّ اللّٰهَ غَفُوْرٌ

भूक की वजह से इस हाल में के वो गुनाह की तरफ माइल होने वाला न हो तो यक़ीनन अल्लाह बख्शने वाले,

رَّحِيْمٌ۝۳ يَسْئَلُوْنَكَ مَاذَآ اُحِلَّ لَهُمْ ط قُلْ اُحِلَّ لَكُمُ

निहायत रहम वाले हैं। वो आप से सवाल करते हैं के क्या चीज़ उन के लिए हलाल की गई। आप फरमा दीजिए के

الطَّيِّبٰتُ لا وَمَا عَلَّمْتُمْ مِّنَ الْجَوَارِحِ مُكَلِّبِيْنَ تُعَلِّمُوْنَهُنَّ

तुम्हारे लिए पाकीज़ा चीज़ें हलाल क़रार दी गई हैं, और शिकारी जानवर जिन को तुम तालीम दो छोड़ते हुए, उन को

مِمَّا عَلَّمَكُمُ اللّٰهُ ز فَكُلُوْا مِمَّآ اَمْسَكْنَ عَلَيْكُمْ وَاذْكُرُوا

तालीम देते हो उस में से जो अल्लाह ने तुम्हें इल्म दिया, तो खाओ उस में से जो वो तुम्हारे लिए रोके रहें और तुम

اسْمَ اللّٰهِ عَلَيْهِ ص وَاتَّقُوا اللّٰهَ ط اِنَّ اللّٰهَ سَرِيْعُ الْحِسَابِ۝۴

अल्लाह का नाम उस पर ले लो। और अल्लाह से डरो। यक़ीनन अल्लाह जल्द हिसाब लेने वाले हैं।

اَلْيَوْمَ اُحِلَّ لَكُمُ الطَّيِّبٰتُ ؕ وَطَعَامُ الَّذِيْنَ اُوْتُوا आज तुम्हारे लिए हलाल की गई पाकीज़ा चीज़ें, ओर एहले किताब का ज़बीहा तुम्हारे
الْكِتٰبَ حِلٌّ لَّكُمْ ۪ وَ طَعَامُكُمْ حِلٌّ لَّهُمْ ۫ وَالْمُحْصَنٰتُ लिए हलाल किया गया। और तुम्हारा खाना उन के लिए हलाल है। और हलाल की गईं मोमिन
مِنَ الْمُؤْمِنٰتِ وَالْمُحْصَنٰتُ مِنَ الَّذِيْنَ اُوْتُوا औरतों में से पाकदामन औरतें और उन की पाकदामन औरतें जिन को तुम से पेहले
الْكِتٰبَ مِنْ قَبْلِكُمْ اِذَآ اٰتَيْتُمُوْهُنَّ اُجُوْرَهُنَّ مُحْصِنِيْنَ किताब दी गई जब के तुम उन को उन के महर दो इस हाल में के तुम पाकदामनी इखतियार करने वाले हो,
غَيْرَ مُسٰفِحِيْنَ وَلَا مُتَّخِذِيْٓ اَخْدَانٍ ؕ وَمَنْ يَّكْفُرْ ज़िना करने वाले न हो और न चुपके चुपके दोस्त बनाने वाले हो। और जो ईमान के साथ
بِالْاِيْمَانِ فَقَدْ حَبِطَ عَمَلُهٗ ۫ وَهُوَ فِي الْاٰخِرَةِ कुफ्र करेगा तो यक़ीनन उस का अमल हब्त हो गया। और वो आखिरत में
مِنَ الْخٰسِرِيْنَ ۝٥ يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ اٰمَنُوْٓا اِذَا قُمْتُمْ खसारा उठाने वालों में से होगा। ऐ ईमान वालो! जब तुम नमाज़ के लिए
اِلَى الصَّلٰوةِ فَاغْسِلُوْا وُجُوْهَكُمْ وَاَيْدِيَكُمْ اِلَى الْمَرَافِقِ खड़े हो तो अपने चेहरे और कोहनियों तक अपने हाथ धो लो
وَامْسَحُوْا بِرُءُوْسِكُمْ وَ اَرْجُلَكُمْ اِلَى الْكَعْبَيْنِ ؕ और तुम अपने सरों पर मसह कर लो और अपने पैर टखने तक धो लो।
وَاِنْ كُنْتُمْ جُنُبًا فَاطَّهَّرُوْا ؕ وَاِنْ كُنْتُمْ مَّرْضٰٓى اَوْ और अगर तुम जनाबत की हालत में हो तो अच्छी तरह पाक हो जाओ। और अगर बीमार हो या
عَلٰى سَفَرٍ اَوْ جَآءَ اَحَدٌ مِّنْكُمْ مِّنَ الْغَآئِطِ اَوْ لٰمَسْتُمُ सफर पर हो या तुम में से कोई क़ज़ाए हाजत से आया हो या तुम ने औरतों से
النِّسَآءَ فَلَمْ تَجِدُوْا مَآءً فَتَيَمَّمُوْا صَعِيْدًا طَيِّبًا मुक़ारबत की हो, फिर पानी न पाओ तो पाक मिट्टी का क़स्द करो,
فَامْسَحُوْا بِوُجُوْهِكُمْ وَ اَيْدِيْكُمْ مِّنْهُ ؕ مَا يُرِيْدُ اللّٰهُ फिर उस से अपने हाथों और अपने चेहरों पर मसह कर लो। अल्लाह ये इरादा नहीं करता

ع ٥

لِيَجۡعَلَ عَلَيۡكُمۡ مِّنۡ حَرَجٍ وَّلٰكِنۡ يُّرِيۡدُ لِيُطَهِّرَكُمۡ
के तुम पर तंगी करे, लेकिन वो चाहता है के तुम्हें अच्छी तरह पाक करे

وَلِيُتِمَّ نِعۡمَتَهٗ عَلَيۡكُمۡ لَعَلَّكُمۡ تَشۡكُرُوۡنَ ۝٦ وَاذۡكُرُوۡا
और ताके तुम पर अपनी नेअमत को इतमाम तक पहोंचाए ताके तुम शुक्र अदा करो। और तुम याद करो

نِعۡمَةَ اللّٰهِ عَلَيۡكُمۡ وَمِيۡثَاقَهُ الَّذِىۡ وَاثَقَكُمۡ بِهٖۤ ۙ
अल्लाह की उस नेअमत को जो तुम पर है और उस के उस अहद को जिस का उस ने तुम से अहद लिया है,

اِذۡ قُلۡتُمۡ سَمِعۡنَا وَاَطَعۡنَا ۫ وَاتَّقُوا اللّٰهَ ؕ اِنَّ اللّٰهَ
जब के तुम ने कहा के سَمِعۡنَا وَاَطَعۡنَا। और तुम अल्लाह से डरो। यक़ीनन अल्लाह

عَلِيۡمٌۢ بِذَاتِ الصُّدُوۡرِ ۝٧ يٰۤاَيُّهَا الَّذِيۡنَ اٰمَنُوۡا
दिलों के हाल को खूब जानने वाले हैं। ऐ ईमान वालो!

كُوۡنُوۡا قَوّٰمِيۡنَ لِلّٰهِ شُهَدَآءَ بِالۡقِسۡطِ ۫ وَلَا يَجۡرِمَنَّكُمۡ
तुम अल्लाह के लिए खड़े होने वाले बन जाओ, इन्साफ की गवाही देने वाले बन जाओ। और तुम्हें मुजरिम न बनाए

شَنَاٰنُ قَوۡمٍ عَلٰٓى اَلَّا تَعۡدِلُوۡا ؕ اِعۡدِلُوۡا ۟ هُوَ اَقۡرَبُ
किसी क़ौम की दुशमनी इस बात पर के तुम इन्साफ न करो। बल्के तुम इन्साफ करो। ये तक़वा के ज़्यादा

لِلتَّقۡوٰى ۫ وَاتَّقُوا اللّٰهَ ؕ اِنَّ اللّٰهَ خَبِيۡرٌۢ بِمَا تَعۡمَلُوۡنَ ۝٨
क़रीब है। और तुम अल्लाह से डरो। यक़ीनन अल्लाह तुम्हारे आमाल से बाखबर है।

وَعَدَ اللّٰهُ الَّذِيۡنَ اٰمَنُوۡا وَ عَمِلُوا الصّٰلِحٰتِ ۙ لَهُمۡ
अल्लाह ने वादा किया है उन लोगों से जो ईमान लाए और नेक अमल करते रहे के उन के लिए

مَّغۡفِرَةٌ وَّاَجۡرٌ عَظِيۡمٌ ۝٩ وَالَّذِيۡنَ كَفَرُوۡا وَكَذَّبُوۡا
मग़फिरत है और भारी अज्र है। और जिन्हों ने कुफ्र किया और हमारी आयतों

بِاٰيٰتِنَاۤ اُولٰٓئِكَ اَصۡحٰبُ الۡجَحِيۡمِ ۝١٠ يٰۤاَيُّهَا الَّذِيۡنَ
को झुठलाया वही लोग दोज़खी हैं। ऐ ईमान

اٰمَنُوا اذۡكُرُوۡا نِعۡمَتَ اللّٰهِ عَلَيۡكُمۡ اِذۡ هَمَّ قَوۡمٌ
वालो! तुम याद करो अल्लाह की उस नेअमत को जो तुम पर है जब के एक क़ौम ने इरादा किया

اَنۡ يَّبۡسُطُوۡۤا اِلَيۡكُمۡ اَيۡدِيَهُمۡ فَكَفَّ اَيۡدِيَهُمۡ عَنۡكُمۡ ۚ
के वो तुम्हारी तरफ अपने हाथ फैलाएं, फिर अल्लाह ने उन के हाथ तुम से रोक दिए।

ع ٢

وَاتَّقُوا اللّٰهَ ؕ وَ عَلَى اللّٰهِ فَلۡيَتَوَكَّلِ الۡمُؤۡمِنُوۡنَ ﴿۱۱﴾

और तुम अल्लाह से डरो। और अल्लाह ही पर ईमान वालों को तवक्कुल करना चाहिए।

وَلَقَدۡ اَخَذَ اللّٰهُ مِيۡثَاقَ بَنِىۡۤ اِسۡرَآءِيۡلَ ۚ وَ بَعَثۡنَا

और यक़ीनन अल्लाह ने बनी इस्राईल से पुख़्ता अहद लिया। और हम ने

مِنۡهُمُ اثۡنَىۡ عَشَرَ نَقِيۡبًا ؕ وَ قَالَ اللّٰهُ اِنِّىۡ مَعَكُمۡ ؕ

उन में से बारा नक़ीब भेजे। और अल्लाह ने फरमाया के मैं तुम्हारे साथ हूँ।

لَٮِٕنۡ اَقَمۡتُمُ الصَّلٰوةَ وَ اٰتَيۡتُمُ الزَّكٰوةَ وَاٰمَنۡتُمۡ

अगर नमाज़ क़ाइम करोगे और ज़कात दोगे और मेरे पैग़म्बरों पर

بِرُسُلِىۡ وَ عَزَّرۡتُمُوۡهُمۡ وَاَقۡرَضۡتُمُ اللّٰهَ قَرۡضًا حَسَنًا

ईमान लाओगे और उन की मदद करोगे और तुम अल्लाह को अच्छा क़र्ज़ दोगे

لَّاُكَفِّرَنَّ عَنۡكُمۡ سَيِّاٰتِكُمۡ وَلَاُدۡخِلَنَّكُمۡ جَنّٰتٍ

तो मैं ज़रूर तुम से तुम्हारी बुराइयाँ दूर कर दूंगा और मैं तुम्हें ज़रूर दाखिल करूंगा ऐसी जन्नतों में

تَجۡرِىۡ مِنۡ تَحۡتِهَا الۡاَنۡهٰرُ ۚ فَمَنۡ كَفَرَ بَعۡدَ ذٰلِكَ

जिन के नीचे से नेहरें बेहती होंगी। फिर उस के बाद जो तुम में से कुफ्र

مِنۡكُمۡ فَقَدۡ ضَلَّ سَوَآءَ السَّبِيۡلِ ﴿۱۲﴾ فَبِمَا نَقۡضِهِمۡ

करेगा तो यक़ीनन वो सीधे रास्ते से भटक गया। फिर उन के अपना अहद

مِّيۡثَاقَهُمۡ لَعَنّٰهُمۡ وَ جَعَلۡنَا قُلُوۡبَهُمۡ قٰسِيَةً ۚ

तोड़ने की वजह से हम ने उन पर लानत की और हम ने उन के दिल सख्त बना दिए।

يُحَرِّفُوۡنَ الۡـكَلِمَ عَنۡ مَّوَاضِعِهٖ ۙ وَنَسُوۡا حَظًّا

वो कलिमात को बदलते थे अपने मआनी से और उस से फाइदा उठाना भूल गए

مِّمَّا ذُكِّرُوۡا بِهٖ ۚ وَلَا تَزَالُ تَطَّلِعُ عَلٰى خَآٮِٕنَةٍ مِّنۡهُمۡ

जो उन को नसीहत की गई थी। और आप बराबर मुत्तलेअ होते रहोगे उन की तरफ से खयानत पर

اِلَّا قَلِيۡلًا مِّنۡهُمۡ فَاعۡفُ عَنۡهُمۡ وَاصۡفَحۡ ؕ اِنَّ اللّٰهَ

मगर उन में से थोड़े लोग, इस लिए आप उन को मुआफ कीजिए और दरगुज़र कीजिए। यक़ीनन अल्लाह

يُحِبُّ الۡمُحۡسِنِيۡنَ ﴿۱۳﴾ وَمِنَ الَّذِيۡنَ قَالُوۡۤا اِنَّا نَصٰرٰٓى

नेकी करने वालों से महब्बत फरमाते हैं। और उन लोगों में से जिन्हों ने कहा के हम नसारा हैं

اَخَذْنَا مِيْثَاقَهُمْ فَنَسُوْا حَظًّا مِّمَّا ذُكِّرُوْا بِهٖ ۠ فَاَغْرَيْنَا

हम ने उन से पुख्ता अहद लिया, फिर उस से फाइदा उठाना भूल गए जो उन को नसीहत की गई थी। फिर हम ने उन

بَيْنَهُمُ الْعَدَاوَةَ وَالْبَغْضَآءَ اِلٰى يَوْمِ الْقِيٰمَةِ ؕ وَسَوْفَ

के दरमियान क़यामत के दिन तक अदावत और बुग्ज़ डाल दिया। और अनक़रीब

يُنَبِّئُهُمُ اللّٰهُ بِمَا كَانُوْا يَصْنَعُوْنَ ﴿١٤﴾ يٰۤاَهْلَ الْكِتٰبِ

अल्लाह उन को खबर देगा उन आमाल की जो वो करते थे। ऐ एहले किताब!

قَدْ جَآءَكُمْ رَسُوْلُنَا يُبَيِّنُ لَكُمْ كَثِيْرًا مِّمَّا كُنْتُمْ

यक़ीनन तुम्हारे पास हमारे पैग़म्बर आए जो तुम्हारे सामने बयान करते हैं उस में से बहोत सी चीज़ें

تُخْفُوْنَ مِنَ الْكِتٰبِ وَ يَعْفُوْا عَنْ كَثِيْرٍ ؕ قَدْ جَآءَكُمْ

जो तुम किताब में से छुपाते थे और बहोत सी चीज़ों से दरगुज़र करते हैं। यक़ीनन तुम्हारे पास अल्लाह की

مِّنَ اللّٰهِ نُوْرٌ وَّ كِتٰبٌ مُّبِيْنٌ ﴿١٥﴾ ۙ يَّهْدِيْ بِهِ اللّٰهُ

तरफ से रोशनी और साफ साफ बयान करने वाली किताब आ पहोंची। अल्लाह उस के ज़रिए हिदायत देते हैं

مَنِ اتَّبَعَ رِضْوَانَهٗ سُبُلَ السَّلٰمِ وَيُخْرِجُهُمْ

उस को जो अल्लाह की खुशनूदी का इत्तिबा करे, (यानी) सलामती के रास्तों पर चले, और अल्लाह उन्हें निकालते हैं

مِّنَ الظُّلُمٰتِ اِلَى النُّوْرِ بِاِذْنِهٖ وَيَهْدِيْهِمْ

तारीकियों से नूर की तरफ अपने हुक्म से और अल्लाह उन्हें सीधे रास्ते की

اِلٰى صِرَاطٍ مُّسْتَقِيْمٍ ﴿١٦﴾ لَقَدْ كَفَرَ الَّذِيْنَ قَالُوْۤا

रहनुमाई करते हैं। यक़ीनन काफिर हैं वो लोग जिन्हों ने कहा के

اِنَّ اللّٰهَ هُوَ الْمَسِيْحُ ابْنُ مَرْيَمَ ؕ قُلْ فَمَنْ يَّمْلِكُ

यक़ीनन अल्लाह मसीह इब्ने मरयम (अलैहिमस्सलाम) ही है। आप फरमा दीजिए के फिर कौन मालिक होगा

مِنَ اللّٰهِ شَيْـًٔا اِنْ اَرَادَ اَنْ يُّهْلِكَ الْمَسِيْحَ ابْنَ

अल्लाह की तरफ से किसी भी चीज़ का अगर अल्लाह इरादा करें के वो मसीह इब्ने मरयम (अलैहिमस्सलाम)

مَرْيَمَ وَاُمَّهٗ وَمَنْ فِى الْاَرْضِ جَمِيْعًا ؕ وَلِلّٰهِ

को और उन की माँ को और उन तमाम को जो ज़मीन में हैं सब को हलाक कर दे। और अल्लाह के लिए

مُلْكُ السَّمٰوٰتِ وَالْاَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا ؕ يَخْلُقُ

आसमानों और ज़मीन की सलतनत है और उन चीज़ों की जो उन के दरमियान में हैं। अल्लाह पैदा करता है

مَا يَشَآءُ ؕ وَاللّٰهُ عَلٰى كُلِّ شَیْءٍ قَدِيْرٌ ﴿١٧﴾ وَقَالَتِ

जिस को चाहता है। और अल्लाह हर चीज़ पर क़ुदरत वाले हैं। और

الْيَهُوْدُ وَالنَّصٰرٰى نَحْنُ اَبْنٰٓؤُا اللّٰهِ وَاَحِبَّآؤُهٗ ؕ قُلْ

यहूद व नसारा ने कहा के हम अल्लाह के बेटे और उस के महबूब हैं। आप फरमा दीजिए के

فَلِمَ يُعَذِّبُكُمْ بِذُنُوْبِكُمْ ؕ بَلْ اَنْتُمْ بَشَرٌ مِّمَّنْ

फिर अल्लाह तुम्हारे गुनाहों की वजह से तुम्हें क्यूं अज़ाब देगा? बल्के तुम अल्लाह की मख़्लूक़ में से एक इन्सान

خَلَقَ ؕ يَغْفِرُ لِمَنْ يَّشَآءُ وَ يُعَذِّبُ مَنْ يَّشَآءُ ؕ

हो। अल्लाह मग़फिरत करते हैं जिस के लिए चाहते हैं और अज़ाब देते हैं जिसे चाहते हैं।

وَلِلّٰهِ مُلْكُ السَّمٰوٰتِ وَالْاَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا ز وَاِلَيْهِ

और अल्लाह के लिए आसमानों और ज़मीन की सलतनत है और उन चीज़ों की जो उन के दरमियान में हैं। और उसी की

الْمَصِيْرُ ﴿١٨﴾ يٰۤاَهْلَ الْكِتٰبِ قَدْ جَآءَكُمْ رَسُوْلُنَا

तरफ लौटना है। ऐ एहले किताब! यक़ीनन तुम्हारे पास हमारे पैग़म्बर पैग़म्बरों के फतरत के ज़माने में

يُبَيِّنُ لَكُمْ عَلٰى فَتْرَةٍ مِّنَ الرُّسُلِ اَنْ تَقُوْلُوْا

आए जो तुम्हारे सामने (दीन की बातें) बयान करते हैं, इस लिए के कहीं तुम यूँ न कहो के हमारे पास तो

مَا جَآءَنَا مِنْۢ بَشِيْرٍ وَّلَا نَذِيْرٍ ز فَقَدْ جَآءَكُمْ بَشِيْرٌ

कोई बशारत देने वाला और डराने वाला नहीं आया। तो अब यक़ीनन तुम्हारे पास बशारत देने वाला और डराने

٣ع٨ وَّنَذِيْرٌ ؕ وَاللّٰهُ عَلٰى كُلِّ شَیْءٍ قَدِيْرٌ ﴿١٩﴾ وَاِذْ قَالَ

वाला आ चुका। और अल्लाह हर चीज़ पर क़ुदरत वाले हैं। और जब के मूसा (अलैहिस्सलाम) ने अपनी क़ौम से फरमाया

مُوْسٰى لِقَوْمِهٖ يٰقَوْمِ اذْكُرُوْا نِعْمَةَ اللّٰهِ عَلَيْكُمْ

के ऐ मेरी क़ौम! तुम याद करो अल्लाह की उस नेअमत को जो तुम पर है।

اِذْ جَعَلَ فِيْكُمْ اَنْۢبِيَآءَ وَ جَعَلَكُمْ مُّلُوْكًا ۖۗ وَّاٰتٰىكُمْ

जब के उस ने तुम में अम्बिया बनाए और तुम्हें बादशाह बनाया। और तुम्हें

مَّا لَمْ يُؤْتِ اَحَدًا مِّنَ الْعٰلَمِيْنَ ﴿٢٠﴾ يٰقَوْمِ ادْخُلُوا

वह नेअमतें दीं जो जहान वालों में से किसी को नहीं दीं। ऐ मेरी क़ौम! तुम मुक़द्दस सरज़मीन

الْاَرْضَ الْمُقَدَّسَةَ الَّتِیْ كَتَبَ اللّٰهُ لَكُمْ وَلَا

में दाखिल हो जाओ जो अल्लाह ने तुम्हारे लिए लिख दी है और तुम

تَرْتَدُّوْا عَلٰٓى اَدْبَارِكُمْ فَتَنْقَلِبُوْا خٰسِرِيْنَ ﴿٢١﴾ قَالُوْا

अपनी एड़ियों के बल मत पलटो, वरना तुम नुक़सान उठाने वाले बन जाओगे। वो केहने लगे

يٰمُوْسٰٓى اِنَّ فِيْهَا قَوْمًا جَبَّارِيْنَ ۖ وَاِنَّا لَنْ نَّدْخُلَهَا

ऐ मूसा! उस में तो बड़ी ज़ोरआवर क़ौम है। और हम उस में हरगिज़ दाखिल नहीं होंगे

حَتّٰى يَخْرُجُوْا مِنْهَا ۚ فَاِنْ يَّخْرُجُوْا مِنْهَا فَاِنَّا

जब तक के वो वहां से न निकलें। फिर अगर वो वहां से निकल जाएं तब हम

دٰخِلُوْنَ ﴿٢٢﴾ قَالَ رَجُلٰنِ مِنَ الَّذِيْنَ يَخَافُوْنَ اَنْعَمَ

दाखिल होंगे। दो आदमियों ने कहा उन लोगों में से जो डरते थे, जिन पर अल्लाह ने

اللّٰهُ عَلَيْهِمَا ادْخُلُوْا عَلَيْهِمُ الْبَابَ ۚ فَاِذَا دَخَلْتُمُوْهُ

इनआम फरमाया था के तुम उन पर दरवाज़े से दाखिल हो जाओ। फिर जब तुम उस में दाखिल हो जाओगे

فَاِنَّكُمْ غٰلِبُوْنَ ۚ۬ وَعَلَى اللّٰهِ فَتَوَكَّلُوْٓا اِنْ كُنْتُمْ

तुम ही ग़ालिब रहोगे। और अल्लाह ही पर तुम्हें तवक्कुल करना चाहिए अगर तुम

مُّؤْمِنِيْنَ ﴿٢٣﴾ قَالُوْا يٰمُوْسٰٓى اِنَّا لَنْ نَّدْخُلَهَآ اَبَدًا

मोमिन हो। तो वो केहने लगे ऐ मूसा! हम उस में हरगिज़ दाखिल नहीं होंगे कभी भी

مَّا دَامُوْا فِيْهَا فَاذْهَبْ اَنْتَ وَ رَبُّكَ فَقَاتِلَآ

जब तक के वो उस में हैं, इस लिए तुम और तुम्हारा रब जाओ और तुम दोनों लड़ो,

اِنَّا هٰهُنَا قٰعِدُوْنَ ﴿٢٤﴾ قَالَ رَبِّ اِنِّيْ لَآ اَمْلِكُ اِلَّا نَفْسِيْ

हम तो यहां बैठे हैं। मूसा (अलैहिस्सलाम) ने कहा ऐ मेरे रब! मैं सिर्फ अपने आप पर और अपने

وَاَخِيْ فَافْرُقْ بَيْنَنَا وَبَيْنَ الْقَوْمِ الْفٰسِقِيْنَ ﴿٢٥﴾

भाई ही पर इखतियार रखता हूँ, इस लिए आप हमारे दरमियान और नाफरमान क़ौम के दरमियान जुदाई कर दीजिए।

قَالَ فَاِنَّهَا مُحَرَّمَةٌ عَلَيْهِمْ اَرْبَعِيْنَ سَنَةً ۚ

अल्लाह ने फरमाया के यक़ीनन ये ज़मीन उन पर हराम कर दी गई चालीस साल तक के लिए

يَتِيْهُوْنَ فِي الْاَرْضِ ۗ فَلَا تَاْسَ عَلَى الْقَوْمِ

के वो इस ज़मीन में मारे मारे फिरते रहेंगे। इस लिए आप नाफरमान क़ौम पर अफसोस

الْفٰسِقِيْنَ ﴿٢٦﴾ ع وَاتْلُ عَلَيْهِمْ نَبَاَ ابْنَيْ اٰدَمَ بِالْحَقِّ ۘ

न कीजिए। और आप उन के सामने तिलावत कीजिए आदम (अलैहिस्सलाम) के दो बेटों का क़िस्सा हक़ के मुताबिक़।

إِذْ قَرَّبَا قُرْبَانًا فَتُقُبِّلَ مِنْ أَحَدِهِمَا وَلَمْ يُتَقَبَّلْ
जब के दोनों ने कुरबानी पेश की तो उन में से एक की तरफ से क़बूल की गई और दूसरे की तरफ से

مِنَ الْآخَرِ ط قَالَ لَأَقْتُلَنَّكَ ط قَالَ إِنَّمَا يَتَقَبَّلُ
क़बूल नहीं की गई। दूसरे ने कहा के मैं तुझे ज़रूर क़त्ल कर दूंगा। पेहले ने कहा के अल्लाह तो सिर्फ

النصف
اللّٰهُ مِنَ الْمُتَّقِينَ ﴿٢٧﴾ لَئِنْ بَسَطْتَ إِلَيَّ يَدَكَ
मुत्तक़ियों की तरफ से क़बूल करते हैं। अगर तू मेरी तरफ अपना हाथ बढ़ाएगा

لِتَقْتُلَنِي مَا أَنَا بِبَاسِطٍ يَدِيَ إِلَيْكَ لِأَقْتُلَكَ ج
ताके तू मुझे क़त्ल करे तब भी मैं अपना हाथ तेरी तरफ बढ़ाने वाला नहीं हूँ ताके मैं तुझे क़त्ल करूँ।

إِنِّي أَخَافُ اللّٰهَ رَبَّ الْعٰلَمِينَ ﴿٢٨﴾ إِنِّي أُرِيدُ
इस लिए के मैं अल्लाह रब्बुल आलमीन से डरता हूँ। मैं तो ये चाहता हूँ

أَنْ تَبُوْٓأَ بِإِثْمِي وَإِثْمِكَ فَتَكُونَ مِنْ أَصْحٰبِ
कि तू मेरे और अपने गुनाह ले कर लौटे, फिर तू दोज़खियों में से बन

النَّارِ ج وَذٰلِكَ جَزٰٓؤُا الظّٰلِمِينَ ﴿٢٩﴾ فَطَوَّعَتْ لَهُ
जाए। और यही ज़ालिमों की सज़ा है। फिर उस के सामने उस के नफ्स ने अच्छा बना कर

نَفْسُهُ قَتْلَ أَخِيهِ فَقَتَلَهُ فَأَصْبَحَ مِنَ الْخٰسِرِينَ ﴿٣٠﴾
पेश किया अपने भाई का क़त्ल, चुनांचे उस ने उस को क़त्ल कर दिया, फिर वो नुक़सान उठाने वालों में से बन गया।

فَبَعَثَ اللّٰهُ غُرَابًا يَبْحَثُ فِي الْأَرْضِ لِيُرِيَهُ كَيْفَ
फिर अल्लाह ने एक कव्वा भेजा जो ज़मीन में कुरेद रहा था ताके उस को दिखाए के वो

يُوَارِي سَوْءَةَ أَخِيهِ ط قَالَ يٰوَيْلَتٰٓى أَعَجَزْتُ
अपने भाई की लाश कैसे दफन करे। क़ाबील केहने लगा हाए अफसोस! क्या मैं आजिज़ रहा

معانقة عند المتأخرين وقف النبي صلى الله عليه وسلم
أَنْ أَكُونَ مِثْلَ هٰذَا الْغُرَابِ فَأُوَارِيَ سَوْءَةَ
इस से के मैं इस कव्वे की तरह होता के अपने भाई की लाश को

أَخِي ج فَأَصْبَحَ مِنَ النّٰدِمِينَ ﴿٣١﴾ ج مِنْ أَجْلِ ذٰلِكَ ج
दफन करता। फिर वो नदामत करने वालों में से बन गया। इसी वजह से

كَتَبْنَا عَلٰى بَنِي إِسْرَآءِيلَ أَنَّهُ مَنْ قَتَلَ نَفْسًا
हम ने बनी इस्राईल पर लिख दिया के जो भी किसी एक नफ्स को किसी नफ्स के बग़ैर

بِغَيْرِ نَفْسٍ اَوْ فَسَادٍ فِى الْاَرْضِ فَكَاَنَّمَا قَتَلَ
क़त्ल करे या ज़मीन में फसाद फेलाए तो गोया के उस ने तमाम इन्सानों

النَّاسَ جَمِيْعًا ؕ وَمَنْ اَحْيَاهَا فَكَاَنَّمَآ اَحْيَا
को क़त्ल किया। और जो उस को ज़िन्दा रेहने दे तो गोया के उस ने तमाम इन्सानों को

النَّاسَ جَمِيْعًا ؕ وَلَقَدْ جَآءَتْهُمْ رُسُلُنَا بِالْبَيِّنٰتِ ز
ज़िन्दा रेहने दिया। यक़ीनन उन के पास हमारे भेजे हुए पैग़म्बर रोशन मोअजिज़ात ले कर आए।

ثُمَّ اِنَّ كَثِيْرًا مِّنْهُمْ بَعْدَ ذٰلِكَ فِى الْاَرْضِ
फिर उन में से बहोत से उस के बाद भी ज़मीन में हद से आगे

لَمُسْرِفُوْنَ ﴿٣٢﴾ اِنَّمَا جَزٰٓؤُا الَّذِيْنَ يُحَارِبُوْنَ اللّٰهَ
तजावुज़ करते हैं। उन लोगों की सज़ा जो अल्लाह और उस के रसूल से

وَرَسُوْلَهٗ وَيَسْعَوْنَ فِى الْاَرْضِ فَسَادًا اَنْ يُّقَتَّلُوْٓا
जंग करते हैं ओर ज़मीन में फसाद फैलाने की कोशिश करते हैं ये है के उन्हें क़त्ल किया जाए

اَوْ يُصَلَّبُوْٓا اَوْ تُقَطَّعَ اَيْدِيْهِمْ وَ اَرْجُلُهُمْ
या उन्हें सूली दी जाए या उन के हाथ और पैर जानिबे मुखालिफ से काट

مِّنْ خِلَافٍ اَوْ يُنْفَوْا مِنَ الْاَرْضِ ؕ ذٰلِكَ لَهُمْ خِزْىٌ
दिए जाएं या उन्हें उस जगह से जिलावतन कर दिया जाए। ये उन के लिए दुन्या में

فِى الدُّنْيَا وَلَهُمْ فِى الْاٰخِرَةِ عَذَابٌ عَظِيْمٌ ﴿٣٣﴾ لا
रूस्वाई है और उन के लिए आखिरत में भारी अज़ाब है।

اِلَّا الَّذِيْنَ تَابُوْا مِنْ قَبْلِ اَنْ تَقْدِرُوْا عَلَيْهِمْ ج
मगर जिन्हों ने तौबा की इस से पेहले के तुम उन के ऊपर क़ादिर हो जाओ।

فَاعْلَمُوْٓا اَنَّ اللّٰهَ غَفُوْرٌ رَّحِيْمٌ ﴿٣٤﴾ ع يٰٓاَيُّهَا ٥ع٩
तो जान लो के अल्लाह बहोत ज़्यादा बख्शने वाले, निहायत रहम वाले हैं। ऐ

الَّذِيْنَ اٰمَنُوا اتَّقُوا اللّٰهَ وَابْتَغُوْٓا اِلَيْهِ الْوَسِيْلَةَ
ईमान वालो! अल्लाह से डरो और उस की तरफ वसीला तलब करो

وَجَاهِدُوْا فِىْ سَبِيْلِهٖ لَعَلَّكُمْ تُفْلِحُوْنَ ﴿٣٥﴾ اِنَّ
और अल्लाह के रास्ते में जिहाद करो ताके फलाह पाओ। यक़ीनन

الَّذِيْنَ كَفَرُوْا لَوْ اَنَّ لَهُمْ مَّا فِی الْاَرْضِ جَمِيْعًا

वो लोग जो काफिर हैं अगर उन की मिल्क हो जाएं वो तमाम चीज़ें जो ज़मीन में हैं सारी की सारी और उसी जैसी उस

وَّ مِثْلَهٗ مَعَهٗ لِيَفْتَدُوْا بِهٖ مِنْ عَذَابِ يَوْمِ الْقِيٰمَةِ

के साथ और भी हो जाएं ताके वो उस को फिदये में दे दें क़यामत के दिन के अज़ाब से (बचने के लिए)

مَا تُقُبِّلَ مِنْهُمْ ۚ وَلَهُمْ عَذَابٌ اَلِيْمٌ ﴿٣٦﴾ يُرِيْدُوْنَ

तो उन की तरफ से क़बूल नहीं की जाएंगी। और उन के लिए दर्दनाक अज़ाब होगा। वो चाहेंगे

اَنْ يَّخْرُجُوْا مِنَ النَّارِ وَمَا هُمْ بِخٰرِجِيْنَ مِنْهَا ۫

के वो दोज़ख से निकलें, हालांके वो उस से निकलने वाले नहीं हैं।

وَلَهُمْ عَذَابٌ مُّقِيْمٌ ﴿٣٧﴾ وَالسَّارِقُ وَالسَّارِقَةُ

और उन के लिए दाइमी अज़ाब होगा। और चोरी करने वाला मर्द और चोरी करने वाली औरत

فَاقْطَعُوْٓا اَيْدِيَهُمَا جَزَآءًۢ بِمَا كَسَبَا نَكَالًا

तो तुम उन दोनों के हाथ काट दो उस की सज़ा के तौर पर जो हरकत उन दोनों ने की अल्लाह की तरफ से

مِّنَ اللّٰهِ ؕ وَاللّٰهُ عَزِيْزٌ حَكِيْمٌ ﴿٣٨﴾ فَمَنْ تَابَ مِنْۢ بَعْدِ

इबरत के तौर पर। और अल्लाह ज़बर्दस्त है, हिक्मत वाला है। फिर अपने ज़ुल्म के बाद जो तौबा

ظُلْمِهٖ وَ اَصْلَحَ فَاِنَّ اللّٰهَ يَتُوْبُ عَلَيْهِ ؕ

करे और इस्लाह कर ले तो यक़ीनन अल्लाह उस की तौबा क़बूल करेंगे।

اِنَّ اللّٰهَ غَفُوْرٌ رَّحِيْمٌ ﴿٣٩﴾ اَلَمْ تَعْلَمْ اَنَّ اللّٰهَ لَهٗ مُلْكُ

यक़ीनन अल्लाह बहोत ज़्यादा मग़फिरत करने वाले, निहायत रहम वाले हैं। क्या आप जानते नहीं के अल्लाह के लिए

السَّمٰوٰتِ وَالْاَرْضِ ؕ يُعَذِّبُ مَنْ يَّشَآءُ وَيَغْفِرُ

आसमानों और ज़मीन की सलतनत है। वो अज़ाब देता है जिसे चाहे और जिस की चाहे मग़फिरत करे।

لِمَنْ يَّشَآءُ ؕ وَاللّٰهُ عَلٰى كُلِّ شَیْءٍ قَدِيْرٌ ﴿٤٠﴾ يٰۤاَيُّهَا

और अल्लाह हर चीज़ पर कुदरत वाले हैं। ऐ

الرَّسُوْلُ لَا يَحْزُنْكَ الَّذِيْنَ يُسَارِعُوْنَ فِی الْكُفْرِ

रसूल! आप को ग़मगीन न करें वो लोग जो कुफ्र में तेज़ी कर रहे हैं

مِنَ الَّذِيْنَ قَالُوْٓا اٰمَنَّا بِاَفْوَاهِهِمْ وَلَمْ تُؤْمِنْ

उन लोगों में से जो अपने मुंह से 'اٰمَنَّا' केहते हैं हालांके उन के दिल

مع ٣
عند المتقدمين ١٣ الوقف على الاول احوز ١٢

قُلُوْبُهُمْ ۛ وَمِنَ الَّذِيْنَ هَادُوْا ۛ سَمّٰعُوْنَ

ईमान नहीं लाए। और यहूदियों में से भी कुछ लोग झूठ की तरफ ज़्यादा

لِلْكَذِبِ سَمّٰعُوْنَ لِقَوْمٍ اٰخَرِيْنَ ۙ لَمْ يَاْتُوْكَ ؕ

कान लगाने वाले हैं, दूसरी क़ौम के लिए ग़ौर से सुनते हैं जो आप के पास नहीं आए।

يُحَرِّفُوْنَ الْكَلِمَ مِنْۢ بَعْدِ مَوَاضِعِهٖ ۚ يَقُوْلُوْنَ

जो कलिमात को उस के मआनी के मुतअय्यन हो जाने के बाद बदलते हैं। वो केहते हैं के

اِنْ اُوْتِيْتُمْ هٰذَا فَخُذُوْهُ وَاِنْ لَّمْ تُؤْتَوْهُ

अगर ये फतवा तुम्हें दिया जाए तो उस को ले लो और अगर तुम्हें ये फतवा न दिया जाए,

فَاحْذَرُوْا ؕ وَمَنْ يُّرِدِ اللّٰهُ فِتْنَتَهٗ فَلَنْ تَمْلِكَ

तो तुम बच कर रेहना। और जिस के गुमराह होने का अल्लाह इरादा करे तो आप अल्लाह के मुक़ाबले में उस के लिए

لَهٗ مِنَ اللّٰهِ شَيْـًٔا ؕ اُولٰٓئِكَ الَّذِيْنَ لَمْ يُرِدِ

किसी भी चीज़ के हरगिज़ मालिक नहीं हो। यही लोग हैं के अल्लाह ने इरादा ही

اللّٰهُ اَنْ يُّطَهِّرَ قُلُوْبَهُمْ ؕ لَهُمْ فِي الدُّنْيَا خِزْيٌ ۖۚ

नहीं किया के उन के दिलों को पाक करे। उन के लिए दुन्या में रूस्वाई है।

وَّلَهُمْ فِي الْاٰخِرَةِ عَذَابٌ عَظِيْمٌ ﴿٤١﴾ سَمّٰعُوْنَ

और उन के लिए आखिरत में भारी अज़ाब है। वो झूठ की तरफ ज़्यादा कान

لِلْكَذِبِ اَكّٰلُوْنَ لِلسُّحْتِ ؕ فَاِنْ جَآءُوْكَ فَاحْكُمْ

लगाने वाले हैं, वो हराम बहोत ज़्यादा खाने वाले हैं। फिर अगर वो आप के पास आएं तो आप उन

بَيْنَهُمْ اَوْ اَعْرِضْ عَنْهُمْ ۚ وَاِنْ تُعْرِضْ عَنْهُمْ

के दरमियान फैसला कीजिए या उन की तरफ से ऐराज़ कीजिए। और अगर आप उन से ऐराज़ करेंगे

فَلَنْ يَّضُرُّوْكَ شَيْـًٔا ؕ وَاِنْ حَكَمْتَ فَاحْكُمْ بَيْنَهُمْ

तो वो आप को ज़रा भी ज़रर हरगिज़ नहीं पहोंचा सकेंगे। और अगर आप फैसला करें तो उन के दरमियान इन्साफ के

بِالْقِسْطِ ؕ اِنَّ اللّٰهَ يُحِبُّ الْمُقْسِطِيْنَ ﴿٤٢﴾ وَكَيْفَ

साथ फैसला कीजिए। यक़ीनन अल्लाह इन्साफ करने वालों से महब्बत करते हैं। और वो आप को

يُحَكِّمُوْنَكَ وَعِنْدَهُمُ التَّوْرٰىةُ فِيْهَا حُكْمُ اللّٰهِ

कैसे हकम बनाएंगे हालांके उन के पास तौरात है जिस में अल्लाह का हुक्म है,

ثُمَّ يَتَوَلَّوْنَ مِنْۢ بَعْدِ ذٰلِكَ ؕ وَمَآ اُولٰٓئِكَ بِالْمُؤْمِنِيْنَ ﴿٤٣﴾

फिर वो इस के बाद ऐराज़ करते हैं। और ये ईमान वाले नहीं हैं।

اِنَّآ اَنْزَلْنَا التَّوْرٰىةَ فِيْهَا هُدًى وَّ نُوْرٌ ۚ يَحْكُمُ

यक़ीनन हम ने तौरात उतारी जिस में हिदायत और नूर है। जिस के मुताबिक़ फैसला

بِهَا النَّبِيُّوْنَ الَّذِيْنَ اَسْلَمُوْا لِلَّذِيْنَ هَادُوْا

करते रहे वो अम्बिया जो मुतीअ थे उन लोगों के लिए जो यहूदी थे

وَالرَّبّٰنِيُّوْنَ وَالْاَحْبَارُ بِمَا اسْتُحْفِظُوْا

और फैसला करते रहे अल्लाह वाले और उलमा, इस वजह से के वो अल्लाह की किताब के मुहाफिज़

مِنْ كِتٰبِ اللّٰهِ وَ كَانُوْا عَلَيْهِ شُهَدَآءَ ۚ فَلَا تَخْشَوُا

बनाए गए थे और वो उस पर गवाह थे। इस लिए तुम इन्सानों से

النَّاسَ وَاخْشَوْنِ وَلَا تَشْتَرُوْا بِاٰيٰتِيْ ثَمَنًا قَلِيْلًا ؕ

मत डरो और मुझ से डरो और मेरी आयात के बदले में थोड़ी क़ीमत मत लो।

وَمَنْ لَّمْ يَحْكُمْ بِمَآ اَنْزَلَ اللّٰهُ فَاُولٰٓئِكَ هُمُ

और जो फैसला नहीं करेगा उस के मुताबिक़ जो अल्लाह ने उतारा तो यही लोग

الْكٰفِرُوْنَ ﴿٤٤﴾ وَ كَتَبْنَا عَلَيْهِمْ فِيْهَآ اَنَّ النَّفْسَ

काफिर हैं। और हम ने उन पर फर्ज़ कर दिया था तौरात में के नफ्स (को क़त्ल किया जाएगा)

بِالنَّفْسِ ۙ وَالْعَيْنَ بِالْعَيْنِ وَالْاَنْفَ بِالْاَنْفِ

नफ्स के बदले और आँख (फोड़ी जाएगी) आँख के बदले और नाक (काटी जाएगी) नाक के बदले

وَالْاُذُنَ بِالْاُذُنِ وَالسِّنَّ بِالسِّنِّ ۙ وَالْجُرُوْحَ

और कान (काटा जाएगा) कान के बदले और दांत (तोड़ा जाएगा) दांत के बदले और ज़ख्मों का भी

قِصَاصٌ ؕ فَمَنْ تَصَدَّقَ بِهٖ فَهُوَ كَفَّارَةٌ لَّهٗ ؕ

क़िसास लिया जाएगा। लेकिन जो उस को मुआफ कर दे तो ये उस के लिए कफ्फारा है।

وَمَنْ لَّمْ يَحْكُمْ بِمَآ اَنْزَلَ اللّٰهُ فَاُولٰٓئِكَ هُمُ

और जो फैसला न करे उस के मुताबिक़ जो अल्लाह ने उतारा तो यही लोग

الظّٰلِمُوْنَ ﴿٤٥﴾ وَقَفَّيْنَا عَلٰٓى اٰثَارِهِمْ بِعِيْسَى ابْنِ

ज़ालिम हैं। और हम ने उन के पीछे ईसा इब्ने

مَرْيَمَ مُصَدِّقًا لِّمَا بَيْنَ يَدَيْهِ مِنَ التَّوْرٰىةِ ۨ

मरयम (अलैहिमस्सलाम) को भेजा जो तसदीक़ करने वाले थे तौरात की जो उस से पेहले थी।

وَاٰتَيْنٰهُ الْاِنْجِيْلَ فِيْهِ هُدًى وَّ نُوْرٌ ۙ وَّ مُصَدِّقًا

और हम ने उन को इन्जील दी जिस में हिदायत थी और नूर था। और वो सच्चा बतलाने वाली थी

لِّمَا بَيْنَ يَدَيْهِ مِنَ التَّوْرٰىةِ وَ هُدًى وَّ مَوْعِظَةً

उस तौरात को जो उस से पेहले थी और मुत्तक़ियों के लिए हिदायत और

لِّلْمُتَّقِيْنَ ۝٤٦ وَلْيَحْكُمْ اَهْلُ الْاِنْجِيْلِ بِمَآ اَنْزَلَ

नसीहत थी। और इन्जील वालों को चाहिए के वो फैसला करें उस के मुताबिक़ जो अल्लाह ने

اللّٰهُ فِيْهِ ؕ وَمَنْ لَّمْ يَحْكُمْ بِمَآ اَنْزَلَ اللّٰهُ فَاُولٰٓئِكَ

इन्जील में उतारा। और जो फैसला नहीं करेगा उस के मुताबिक़ जो अल्लाह ने उतारा तो यही

هُمُ الْفٰسِقُوْنَ ۝٤٧ وَ اَنْزَلْنَآ اِلَيْكَ الْكِتٰبَ بِالْحَقِّ

लोग नाफरमान हैं। और हम ने आप की तरफ ये किताब हक़ के साथ उतारी है

مُصَدِّقًا لِّمَا بَيْنَ يَدَيْهِ مِنَ الْكِتٰبِ

जो सच्चा बतलाने वाली है उन किताबों को जो उस से पेहले थीं

وَ مُهَيْمِنًا عَلَيْهِ فَاحْكُمْ بَيْنَهُمْ بِمَآ اَنْزَلَ اللّٰهُ

और उन किताबों की निगरानी करने वाली है, इस लिए आप उन के दरमियान फैसला कीजिए उस के मुताबिक़ जिस को अल्लाह

وَلَا تَتَّبِعْ اَهْوَآءَهُمْ عَمَّا جَآءَكَ مِنَ الْحَقِّ ؕ لِكُلٍّ

ने उतारा और उन की ख्वाहिशात का इत्तिबा न कीजिए उस हक़ को छोड़ कर जो आप के पास आया। तुम में से

جَعَلْنَا مِنْكُمْ شِرْعَةً وَّ مِنْهَاجًا ؕ وَلَوْ شَآءَ اللّٰهُ

हर एक के लिए हम ने एक शरीअत और एक तरीक़ा मुकर्रर किया है। और अगर अल्लाह चाहता

لَجَعَلَكُمْ اُمَّةً وَّاحِدَةً وَّلٰكِنْ لِّيَبْلُوَكُمْ فِيْ

तो तुम्हें एक उम्मत बनाता, लेकिन (ऐसा इस लिए नहीं किया) ताके तुम्हें आज़माए उस में जो अल्लाह

مَآ اٰتٰىكُمْ فَاسْتَبِقُوا الْخَيْرٰتِ ؕ اِلَى اللّٰهِ مَرْجِعُكُمْ جَمِيْعًا

ने तुम्हें दिया, इस लिए तुम खैर के कामों में दौड़ो। अल्लाह ही की तरफ तुम सब को लौटना है,

فَيُنَبِّئُكُمْ بِمَا كُنْتُمْ فِيْهِ تَخْتَلِفُوْنَ ۝٤٨ وَاَنِ احْكُمْ

फिर वो तुम्हें खबर देगा उन कामों की जिस में तुम इखतिलाफ करते थे। और ये के आप फैसला कीजिए

بَيْنَهُمْ بِمَآ اَنْزَلَ اللّٰهُ وَلَا تَتَّبِعْ اَهْوَآءَهُمْ

उन के दरमियान उस के मुताबिक़ जो अल्लाह ने उतारा और उन की ख्वाहिशात का इत्तिबा न कीजिए

وَاحْذَرْهُمْ اَنْ يَّفْتِنُوْكَ عَنْۢ بَعْضِ مَآ اَنْزَلَ

और उन से बच कर रहिए के आप की तरफ अल्लाह के नाज़िलकरदा किसी हुक्म से कहीं आप को फितने में

اللّٰهُ اِلَيْكَ ط فَاِنْ تَوَلَّوْا فَاعْلَمْ اَنَّمَا يُرِيْدُ اللّٰهُ

डाल न दें। फिर अगर वो मुंह मोड़ें तो आप जान लीजिए के अल्लाह ये चाहते हैं

اَنْ يُّصِيْبَهُمْ بِبَعْضِ ذُنُوْبِهِمْ ط وَاِنَّ كَثِيْرًا

के उन्हें उन के बाज़ गुनाहों की वजह से मुसीबत पहोंचाए। और यक़ीनन उन में से अक्सर

مِّنَ النَّاسِ لَفٰسِقُوْنَ ﴿٤٩﴾ اَفَحُكْمَ الْجَاهِلِيَّةِ يَبْغُوْنَ ط

लोग नाफरमान हैं। क्या फिर जाहिलीयत का फेसला वो चाहते हैं?

ع ٧ ١١ وَمَنْ اَحْسَنُ مِنَ اللّٰهِ حُكْمًا لِّقَوْمٍ يُّوْقِنُوْنَ ﴿٥٠﴾

और अल्लाह से बेहतर किस का फैसला हो सकता है ऐसी कौम के लिए जो यक़ीन रखती है?

يٰۤاَيُّهَا الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا لَا تَتَّخِذُوا الْيَهُوْدَ وَالنَّصٰرٰٓى

ऐ ईमान वालो! तुम यहूद व नसारा को दोस्त मत

اَوْلِيَآءَ ؔ بَعْضُهُمْ اَوْلِيَآءُ بَعْضٍ ط وَمَنْ يَّتَوَلَّهُمْ

बनाओ। उन में से एक दूसरे के दोस्त हैं। और जो तुम में से उन से

مِّنْكُمْ فَاِنَّهٗ مِنْهُمْ ط اِنَّ اللّٰهَ لَا يَهْدِى الْقَوْمَ

दोस्ती रखेगा तो वो भी उन्ही में से है। यक़ीनन अल्लाह ज़ालिम क़ौम को हिदायत

الظّٰلِمِيْنَ ﴿٥١﴾ فَتَرَى الَّذِيْنَ فِىْ قُلُوْبِهِمْ مَّرَضٌ

नहीं देते। फिर आप देखेंगे उन लोगों को जिन के दिलों में मर्ज़ है के

يُّسَارِعُوْنَ فِيْهِمْ يَقُوْلُوْنَ نَخْشٰٓى اَنْ تُصِيْبَنَا

वो उन के बारे में जल्दी करते हैं, वो केहते हैं के हम डरते हैं के हमें कोई मुसीबत का हादसा

دَآئِرَةٌ ط فَعَسَى اللّٰهُ اَنْ يَّاْتِىَ بِالْفَتْحِ اَوْ اَمْرٍ

न पहोंच जाए। फिर हो सकता है के अल्लाह फतह ले आए या अपनी तरफ से

مِّنْ عِنْدِهٖ فَيُصْبِحُوْا عَلٰى مَآ اَسَرُّوْا فِىْۤ اَنْفُسِهِمْ

कोई हुक्म ले आए, तो फिर वो नादिम होंगे उस पर जो उन्हों ने अपने दिलों में

نٰدِمِيْنَ ﴿٥٢﴾ وَ يَقُوْلُ الَّذِيْنَ اٰمَنُوْٓا اَهٰٓؤُلَآءِ

छुपाया था। और ईमान वाले कहेंगे के क्या ये वही

الَّذِيْنَ اَقْسَمُوْا بِاللّٰهِ جَهْدَ اَيْمَانِهِمْ ۙ اِنَّهُمْ

लोग हैं जो अल्लाह की क़समें खाते थे अपनी क़समों को मुअक्कद कर के के यक़ीनन हम

لَمَعَكُمْ ؕ حَبِطَتْ اَعْمَالُهُمْ فَاَصْبَحُوْا خٰسِرِيْنَ ﴿٥٣﴾ الثلثة

तुम्हारे साथ हैं। उन के आमाल हब्त हो गए, फिर वो खसारा उठाने वाले बन गए।

يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا مَنْ يَّرْتَدَّ مِنْكُمْ عَنْ دِيْنِهٖ

ऐ ईमान वालो! जो तुम में से मुर्तद हो जाएगा अपने दीन से

فَسَوْفَ يَاْتِى اللّٰهُ بِقَوْمٍ يُّحِبُّهُمْ وَ يُحِبُّوْنَهٗٓ ۙ

तो फिर अल्लाह ऐसी क़ौम को ले आएंगे जिन से अल्लाह महब्बत करता होगा और वो अल्लाह से महब्बत करते होंगे।

اَذِلَّةٍ عَلَى الْمُؤْمِنِيْنَ اَعِزَّةٍ عَلَى الْكٰفِرِيْنَ ۫

वो ईमान वालों के सामने आजिज़ी करने वाले होंगे, काफिरों पर भारी होंगे।

يُجَاهِدُوْنَ فِىْ سَبِيْلِ اللّٰهِ وَلَا يَخَافُوْنَ

अल्लाह के रास्ते में जिहाद करते होंगे और किसी मलामत करने वाले की मलामत से

لَوْمَةَ لَآئِمٍ ؕ ذٰلِكَ فَضْلُ اللّٰهِ يُؤْتِيْهِ مَنْ يَّشَآءُ ؕ

डरते नहीं होंगे। ये अल्लाह का फ़ज़्ल है, वो उस को देता है जिसे चाहता है।

وَاللّٰهُ وَاسِعٌ عَلِيْمٌ ﴿٥٤﴾ اِنَّمَا وَلِيُّكُمُ اللّٰهُ وَ رَسُوْلُهٗ

और अल्लाह वुस्अत वाले, इल्म वाले हैं। तुम्हारा वली तो सिर्फ अल्लाह और उस का रसूल है

وَالَّذِيْنَ اٰمَنُوا الَّذِيْنَ يُقِيْمُوْنَ الصَّلٰوةَ

और वो लोग हैं जो ईमान लाए हैं जो नमाज़ क़ाइम करते हैं

وَيُؤْتُوْنَ الزَّكٰوةَ وَهُمْ رٰكِعُوْنَ ﴿٥٥﴾ وَمَنْ

और ज़कात देते हैं और वो रूकूअ भी करते हैं। और जो

يَّتَوَلَّ اللّٰهَ وَ رَسُوْلَهٗ وَالَّذِيْنَ اٰمَنُوْا فَاِنَّ حِزْبَ

अल्लाह और उस के रसूल से और ईमान वालों से दोस्ती करेगा, तो यक़ीनन अल्लाह की

اللّٰهِ هُمُ الْغٰلِبُوْنَ ﴿٥٦﴾ ع يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا ع ٨

जमाअत ही ग़ालिब है। ऐ ईमान वालो!

لَا تَتَّخِذُوا الَّذِيْنَ اتَّخَذُوْا دِيْنَكُمْ هُزُوًا

तुम उन लोगों को दोस्त मत बनाओ जिन्हों ने तुम्हारे दीन को हंसी

وَّ لَعِبًا مِّنَ الَّذِيْنَ اُوْتُوا الْكِتٰبَ مِنْ قَبْلِكُمْ

और खेल बना रखा है उन लोगों में से जिन को तुम से पेहले किताब दी गई

وَالْكُفَّارَ اَوْلِيَآءَ ۚ وَاتَّقُوا اللّٰهَ اِنْ كُنْتُمْ

और काफिरों को दोस्त मत बनाओ। और तुम अल्लाह से डरो अगर तुम

مُّؤْمِنِيْنَ ﴿٥٧﴾ وَاِذَا نَادَيْتُمْ اِلَى الصَّلٰوةِ اتَّخَذُوْهَا

ईमान वाले हो। और जब तुम नमाज़ के लिए अज़ान देते हो तो वो उस को

هُزُوًا وَّلَعِبًا ۭ ذٰلِكَ بِاَنَّهُمْ قَوْمٌ لَّا يَعْقِلُوْنَ ﴿٥٨﴾

हंसी और खेल बनाते हैं। ये इस वजह से के वो ऐसी क़ौम है जो अक़्ल नहीं रखती।

قُلْ يٰٓاَهْلَ الْكِتٰبِ هَلْ تَنْقِمُوْنَ مِنَّآ

आप फरमा दीजिए ऐ एहले किताब! तुम्हें हमारी तरफ से बुरी नहीं लगी

اِلَّآ اَنْ اٰمَنَّا بِاللّٰهِ وَمَآ اُنْزِلَ اِلَيْنَا وَمَآ اُنْزِلَ

मगर ये बात के हम ईमान लाए हैं अल्लाह पर और उस किताब पर जो हम पर उतारी गई और उन किताबों पर

مِنْ قَبْلُ ۙ وَاَنَّ اَكْثَرَكُمْ فٰسِقُوْنَ ﴿٥٩﴾ قُلْ هَلْ

जो इस से पेहले उतारी गईं और ये के तुम में से अक्सर नाफरमान हैं। आप फरमा दीजिए क्या

اُنَبِّئُكُمْ بِشَرٍّ مِّنْ ذٰلِكَ مَثُوْبَةً عِنْدَ اللّٰهِ ۭ

मैं तुम्हें खबर दूं उस से बुरी चीज़ की अल्लाह के नज़दीक सवाब (यानी सज़ा) के ऐतेबार से?

مَنْ لَّعَنَهُ اللّٰهُ وَ غَضِبَ عَلَيْهِ وَجَعَلَ مِنْهُمُ

वो शख्स है के जिस पर अल्लाह ने लानत फरमाई और जिस पर उस ने ग़ज़ब किया और जिन में से उस ने

الْقِرَدَةَ وَالْخَنَازِيْرَ وَ عَبَدَ الطَّاغُوْتَ ۭ اُولٰٓئِكَ

बन्दर और खिन्ज़ीर बनाए और जो अल्लाह से सरकशी करने वाले शैतान की इबादत करता है। यही लोग

شَرٌّ مَّكَانًا وَّاَضَلُّ عَنْ سَوَآءِ السَّبِيْلِ ﴿٦٠﴾

बुरे दर्जे वाले और सीधी राह से ज़्यादा भटके हुए हैं।

وَاِذَا جَآءُوْكُمْ قَالُوْٓا اٰمَنَّا وَ قَدْ دَّخَلُوْا بِالْكُفْرِ

और जब वो तुम्हारे पास आते हैं तो اٰمَنَّا केहते हैं हालांके वो कुफ्र को ले कर दाखिल हुए

وَهُمْ قَدْ خَرَجُوْا بِهٖ ؕ وَاللّٰهُ اَعْلَمُ بِمَا كَانُوْا
और वो कुफ्र ही को ले कर निकले। और अल्लाह खूब जानता है उस को जो वो छुपा
يَكْتُمُوْنَ ﴿٦١﴾ وَتَرٰى كَثِيْرًا مِّنْهُمْ يُسَارِعُوْنَ فِى الْاِثْمِ
रहे हैं। और उन में से बहोत सों को आप देखोगे के वो गुनाह और ज़्यादती और
وَالْعُدْوَانِ وَ اَكْلِهِمُ السُّحْتَ ؕ لَبِئْسَ مَا كَانُوْا
अपने हराम खाने की तरफ तेज़ दौड़ते हैं। बेशक बुरे हैं वो काम जो वो
يَعْمَلُوْنَ ﴿٦٢﴾ لَوْلَا يَنْهٰهُمُ الرَّبّٰنِيُّوْنَ وَالْاَحْبَارُ
कर रहे हैं। उन को क्यूं रोकते नहीं अल्लाह वाले और उलमा
عَنْ قَوْلِهِمُ الْاِثْمَ وَ اَكْلِهِمُ السُّحْتَ ؕ لَبِئْسَ
उन के गुनाह की बात बोलने से और उन के हराम खाने से? यक़ीनन बुरे हैं वो
مَا كَانُوْا يَصْنَعُوْنَ ﴿٦٣﴾ وَقَالَتِ الْيَهُوْدُ يَدُ اللّٰهِ مَغْلُوْلَةٌ ؕ
काम जो वो कर रहे हैं। और यहूदियों ने कहा के अल्लाह का हाथ बन्धा हुवा है।
غُلَّتْ اَيْدِيْهِمْ وَلُعِنُوْا بِمَا قَالُوْا ۘ بَلْ يَدٰهُ مَبْسُوْطَتٰنِ ۙ
उन के हाथ बन्ध जाएं और उन पर इस केहने की वजह से लानत हो। बल्के अल्लाह के दोनों हाथ खुले हुए हैं।
يُنْفِقُ كَيْفَ يَشَآءُ ؕ وَلَيَزِيْدَنَّ كَثِيْرًا مِّنْهُمْ
वो खर्च करता है जैसे चाहता है। और उन में से बहोत सों को ज़रूर सरकशी और कुफ्र में
مَّآ اُنْزِلَ اِلَيْكَ مِنْ رَّبِّكَ طُغْيَانًا وَّكُفْرًا ؕ وَاَلْقَيْنَا
बढ़ाएगा वो कुरआन जो आप की तरफ आप के रब की तरफ से उतारा गया है। और हम ने उन के
بَيْنَهُمُ الْعَدَاوَةَ وَالْبَغْضَآءَ اِلٰى يَوْمِ الْقِيٰمَةِ ؕ
दरमियान क़यामत के दिन तक अदावत और बुग्ज़ डाल दिया।
كُلَّمَآ اَوْقَدُوْا نَارًا لِّلْحَرْبِ اَطْفَاَهَا اللّٰهُ ۙ وَيَسْعَوْنَ
जब कभी वो लड़ाई की आग भड़काएंगे तो अल्लाह उसे बुझा देंगे। और वो ज़मीन में
فِى الْاَرْضِ فَسَادًا ؕ وَاللّٰهُ لَا يُحِبُّ الْمُفْسِدِيْنَ ﴿٦٤﴾
फसाद फैलाने की कोशिश करते हैं। और अल्लाह फसाद फैलाने वालों से महब्बत नहीं करते।
وَلَوْ اَنَّ اَهْلَ الْكِتٰبِ اٰمَنُوْا وَاتَّقَوْا لَكَفَّرْنَا عَنْهُمْ
और अगर एहले किताब ईमान लाते और तक़्वा इखतियार करते तो हम उन से उन की बुराइयाँ

وقف لازم

سَيِّاٰتِهِمْ وَ لَاَدْخَلْنٰهُمْ جَنّٰتِ النَّعِيْمِ ﴿٦٥﴾ وَلَوْ اَنَّهُمْ

दूर कर देते और हम उन्हें जन्नाते नईम में दाखिल करते। और अगर वो

اَقَامُوا التَّوْرٰىةَ وَالْاِنْجِيْلَ وَ مَآ اُنْزِلَ اِلَيْهِمْ

तौरात और इन्जील को क़ाइम करते और उन किताबों को जो उन की तरफ उन के रब की तरफ से उतारी गईं,

مِّنْ رَّبِّهِمْ لَاَكَلُوْا مِنْ فَوْقِهِمْ وَمِنْ تَحْتِ اَرْجُلِهِمْ ط

तो वो अलबत्ता ज़रूर खाते अपने ऊपर से और अपने पैरों के नीचे से।

مِنْهُمْ اُمَّةٌ مُّقْتَصِدَةٌ ط وَ كَثِيْرٌ مِّنْهُمْ سَآءَ

उन में से एक जमाअत ऐतेदाल वाली है। और उन में से अक्सर बुरे हैं वो काम

مَا يَعْمَلُوْنَ ﴿٦٦﴾ ع يٰٓاَيُّهَا الرَّسُوْلُ بَلِّغْ مَآ اُنْزِلَ اِلَيْكَ

जो वो कर रहे हैं। ऐ पैग़म्बर! आप उस को पहोंचा दीजिए जो आप की तरफ आप के रब की तरफ से

مِنْ رَّبِّكَ ط وَاِنْ لَّمْ تَفْعَلْ فَمَا بَلَّغْتَ رِسَالَتَهٗ ط

उतारा गया। और अगर आप ऐसा नहीं करोगे तो फिर आप ने अल्लाह का पैग़ाम नहीं पहोंचाया।

وَاللّٰهُ يَعْصِمُكَ مِنَ النَّاسِ ط اِنَّ اللّٰهَ لَا يَهْدِى

और अल्लाह आप की इन्सानों से हिफाज़त करेंगे। यक़ीनन अल्लाह काफिर कौम को

الْقَوْمَ الْكٰفِرِيْنَ ﴿٦٧﴾ قُلْ يٰٓاَهْلَ الْكِتٰبِ لَسْتُمْ

हिदायत नहीं देते। आप फरमा दीजिए ऐ एहले किताब! तुम किसी चीज़ पर भी नहीं

عَلٰى شَيْءٍ حَتّٰى تُقِيْمُوا التَّوْرٰىةَ وَالْاِنْجِيْلَ وَمَآ اُنْزِلَ

हो जब तक के तुम तौरात और इन्जील को क़ाइम न करो और उन अहकाम को जो तुम्हारे रब की जानिब से तुम्हारी

اِلَيْكُمْ مِّنْ رَّبِّكُمْ ط وَلَيَزِيْدَنَّ كَثِيْرًا مِّنْهُمْ مَّآ اُنْزِلَ

तरफ उतारे गए हैं। और उन में से बहोत सों को सरकशी और कुफ्र में बढ़ाएगा वो

اِلَيْكَ مِنْ رَّبِّكَ طُغْيَانًا وَّكُفْرًا ج فَلَا تَاْسَ

कुरआन जो आप की तरफ आप के रब की तरफ से उतारा गया। इस लिए आप

عَلَى الْقَوْمِ الْكٰفِرِيْنَ ﴿٦٨﴾ اِنَّ الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا

काफिर क़ौम पर अफसोस न कीजिए। यक़ीनन वो लोग जो ईमान लाए

وَالَّذِيْنَ هَادُوْا وَالصّٰبِـُٔوْنَ وَالنَّصٰرٰى مَنْ اٰمَنَ

और जो यहूदी हैं और जो साबी हैं और जो नसारा हैं उन में से जो भी ईमान लाएगा

بِاللّٰهِ وَالْيَوْمِ الْاٰخِرِ وَ عَمِلَ صَالِحًا فَلَا خَوْفٌ

अल्लाह पर और आखिरी दिन पर और नेक अमल करता रहेगा तो उन पर न खौफ

عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُوْنَ ﴿٦٩﴾ لَقَدْ اَخَذْنَا

होगा और न वो ग़मगीन होंगे। यक़ीनन हम ने

مِيْثَاقَ بَنِيْٓ اِسْرَآءِيْلَ وَ اَرْسَلْنَآ اِلَيْهِمْ رُسُلًا ؕ

बनी इस्राईल से पुख्ता अहद लिया और हम ने उन की तरफ पैग़म्बर भेजे।

كُلَّمَا جَآءَهُمْ رَسُوْلٌۢ بِمَا لَا تَهْوٰٓى اَنْفُسُهُمْ ۙ

जब कभी उन के पास कोई पैग़म्बर उस को ले कर आता था जिसे उन के नफ्स चाहते नहीं थे

فَرِيْقًا كَذَّبُوْا وَ فَرِيْقًا يَّقْتُلُوْنَ ﴿٧٠﴾ وَحَسِبُوْٓا

तो उन्हों ने एक जमाअत को झुठलाया और एक जमाअत को वो क़त्ल करते थे। और उन्हों ने गुमान किया

اَلَّا تَكُوْنَ فِتْنَةٌ فَعَمُوْا وَ صَمُّوْا ثُمَّ تَابَ اللّٰهُ

के फितना नहीं होगा, फिर वो अन्धे बने और बेहरे हो गए, फिर अल्लाह ने उन की तौबा क़बूल

عَلَيْهِمْ ثُمَّ عَمُوْا وَ صَمُّوْا كَثِيْرٌ مِّنْهُمْ ؕ وَاللّٰهُ

फरमाई, फिर वो अन्धे हो गए और बेहरे हो गए उन में से बहोत से। और अल्लाह

بَصِيْرٌۢ بِمَا يَعْمَلُوْنَ ﴿٧١﴾ لَقَدْ كَفَرَ الَّذِيْنَ قَالُوْٓا

देख रहा है उन कामों को जो वो कर रहे हैं। यक़ीनन काफिर हैं वो लोग जिन्हों ने कहा के

اِنَّ اللّٰهَ هُوَ الْمَسِيْحُ ابْنُ مَرْيَمَ ؕ وَقَالَ الْمَسِيْحُ

यक़ीनन अल्लाह मसीह इब्ने मरयम (अलैहिमस्सलाम) ही है। हालांके मसीह इब्ने मरयम (अलैहिमस्सलाम) ने कहा के

يٰبَنِيْٓ اِسْرَآءِيْلَ اعْبُدُوا اللّٰهَ رَبِّيْ وَرَبَّكُمْ ؕ

ऐ बनी इस्राईल! तुम अल्लाह की इबादत करो जो मेरा और तुम्हारा रब है।

اِنَّهٗ مَنْ يُّشْرِكْ بِاللّٰهِ فَقَدْ حَرَّمَ اللّٰهُ عَلَيْهِ

यक़ीनन जो भी अल्लाह के साथ शरीक ठेहराएगा तो यक़ीनन अल्लाह ने उस पर जन्नत हराम

الْجَنَّةَ وَمَاْوٰىهُ النَّارُ ؕ وَمَا لِلظّٰلِمِيْنَ مِنْ اَنْصَارٍ ﴿٧٢﴾

कर दी है और उस का ठिकाना दोज़ख है। और ज़ालिमों के लिए कोई मददगार नहीं होगा।

لَقَدْ كَفَرَ الَّذِيْنَ قَالُوْٓا اِنَّ اللّٰهَ ثَالِثُ

यक़ीनन काफिर हैं वो लोग जिन्हों ने कहा के यक़ीनन अल्लाह तीन में का

وقف لازم

ثَلٰثَةٍ ۘ وَمَا مِنْ اِلٰهٍ اِلَّآ اِلٰهٌ وَّاحِدٌ ؕ

तीसरा है। हालांके कोई माबूद नहीं मगर यकता माबूद।

وَاِنْ لَّمْ يَنْتَهُوْا عَمَّا يَقُوْلُوْنَ لَيَمَسَّنَّ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا

और अगर वो बाज़ नहीं आएंगे उन बातों से जो वो केह रहे हैं तो उन में से काफिरों

مِنْهُمْ عَذَابٌ اَلِيْمٌ ﴿٧٣﴾ اَفَلَا يَتُوْبُوْنَ

को ज़रूर दर्दनाक अज़ाब पहोंचेगा। क्या फिर वो अल्लाह की तरफ तौबा

اِلَى اللّٰهِ وَ يَسْتَغْفِرُوْنَهٗ ؕ وَاللّٰهُ غَفُوْرٌ رَّحِيْمٌ ﴿٧٤﴾

नहीं करते और उस से इस्तिग़फार नहीं करते? और अल्लाह बख्शने वाले, निहायत रहम वाले हैं।

مَا الْمَسِيْحُ ابْنُ مَرْيَمَ اِلَّا رَسُوْلٌ ۚ قَدْ خَلَتْ

मसीह इब्ने मरयम (अलैहिमस्सलाम) नहीं हैं मगर भेजे हुए पैग़म्बर। यक़ीनन उन से

مِنْ قَبْلِهِ الرُّسُلُ ؕ وَاُمُّهٗ صِدِّيْقَةٌ ؕ كَانَا

पहले भी बहोत से पैग़म्बर गुज़र चुके हैं। और उन की माँ सिद्दीक़ा थीं। वो दोनों

يَاْكُلٰنِ الطَّعَامَ ؕ اُنْظُرْ كَيْفَ نُبَيِّنُ لَهُمُ الْاٰيٰتِ

खाना भी खाते थे। आप देखिए के हम उन के लिए कैसे आयतें बयान करते हैं,

ثُمَّ انْظُرْ اَنّٰى يُؤْفَكُوْنَ ﴿٧٥﴾ قُلْ اَتَعْبُدُوْنَ

फिर आप देखिए के वो कहाँ उल्टे फिरे जा रहे हैं। आप फरमा दीजिए क्या तुम अल्लाह

مِنْ دُوْنِ اللّٰهِ مَا لَا يَمْلِكُ لَكُمْ ضَرًّا

के अलावा इबादत करते हो ऐसी चीज़ों की जो तुम्हारे लिए न ज़रर की मालिक हैं,

وَّلَا نَفْعًا ؕ وَاللّٰهُ هُوَ السَّمِيْعُ الْعَلِيْمُ ﴿٧٦﴾ قُلْ يٰۤاَهْلَ

न नफे की मालिक हैं? और अल्लाह सुनने वाले, इल्म वाले हैं। आप फरमा दीजिए ऐ एहले

الْكِتٰبِ لَا تَغْلُوْا فِيْ دِيْنِكُمْ غَيْرَ الْحَقِّ

किताब! तुम अपने दीन में हक़ के अलावा से गुलू मत करो और तुम

وَلَا تَتَّبِعُوْۤا اَهْوَآءَ قَوْمٍ قَدْ ضَلُّوْا مِنْ قَبْلُ

ऐसी क़ौम की ख्वाहिशात के पीछे मत चलो जो इस से पेहले गुमराह हो चुके

ع ١٠

وَاَضَلُّوْا كَثِيْرًا وَّضَلُّوْا عَنْ سَوَآءِ السَّبِيْلِ ﴿٧٧﴾

और उन्हों ने बहोत सों को गुमराह कर दिया और खुद भी सीधी राह से भटक गए।

لُعِنَ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا مِنْۢ بَنِيْٓ اِسْرَآءِيْلَ عَلٰى لِسَانِ

बनी इस्राईल में से काफिरों पर लानत की गई दावूद (अलैहिस्सलाम) की

دَاوٗدَ وَ عِيْسَى ابْنِ مَرْيَمَ ؕ ذٰلِكَ بِمَا عَصَوْا وَّكَانُوْا

ज़बानी और ईसा इब्ने मरयम (अलैहिमस्सलाम) की ज़बानी। ये इस वजह से के उन्हों ने नाफरमानी की और वो हद से

يَعْتَدُوْنَ ﴿٧٨﴾ كَانُوْا لَا يَتَنَاهَوْنَ عَنْ مُّنْكَرٍ

आगे बढ़ते थे। वो एक दूसरे को रोकते नहीं थे ऐसे बुरे कामों से

فَعَلُوْهُ ؕ لَبِئْسَ مَا كَانُوْا يَفْعَلُوْنَ ﴿٧٩﴾ تَرٰى كَثِيْرًا

जिन्हें वो खुद करते थे। यक़ीनन बुरे थे वो काम जो वो कर रहे थे। आप उन में से बहोत सों

مِّنْهُمْ يَتَوَلَّوْنَ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا ؕ لَبِئْسَ مَا قَدَّمَتْ

को देखोगे के वो काफिरों से दोस्ती रखते हैं। अलबत्ता बुरे हैं वो आमाल जो खुद उन्हों ने अपने लिए

لَهُمْ اَنْفُسُهُمْ اَنْ سَخِطَ اللّٰهُ عَلَيْهِمْ وَفِي الْعَذَابِ

आगे भेज दिए हैं, इस वजह से के अल्लाह उन पर नाराज़ है और वो अज़ाब में

هُمْ خٰلِدُوْنَ ﴿٨٠﴾ وَلَوْ كَانُوْا يُؤْمِنُوْنَ بِاللّٰهِ وَالنَّبِيِّ

हमेशा रहेंगे। और अगर वो ईमान लाते अल्लाह पर और इस नबी (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) पर

وَمَآ اُنْزِلَ اِلَيْهِ مَا اتَّخَذُوْهُمْ اَوْلِيَآءَ

और उस कुरआन पर जो इस नबी (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) की तरफ उतारा गया तो उन्हें दोस्त न बनाते,

وَلٰكِنَّ كَثِيْرًا مِّنْهُمْ فٰسِقُوْنَ ﴿٨١﴾ لَتَجِدَنَّ اَشَدَّ النَّاسِ

लेकिन उन में से अक्सर नाफरमान हैं। आप ज़रूर पाओगे तमाम इन्सानों में से

عَدَاوَةً لِّلَّذِيْنَ اٰمَنُوا الْيَهُوْدَ وَالَّذِيْنَ اَشْرَكُوْا ۚ

सब से ज़्यादा सख्त अदावत रखने वाला ईमान वालों से यहूदियों को और मुशरिकीन को।

وَ لَتَجِدَنَّ اَقْرَبَهُمْ مَّوَدَّةً لِّلَّذِيْنَ اٰمَنُوا

और ज़रूर आप मुसलमानों से सब से ज़्यादा महब्बत के ऐतेबार से क़रीब पाओगे

الَّذِيْنَ قَالُوْٓا اِنَّا نَصٰرٰى ؕ ذٰلِكَ بِاَنَّ مِنْهُمْ

उन लोगों को जो केहते हैं के हम नसारा हैं। ये इस वजह से के उन में

قِسِّيْسِيْنَ وَ رُهْبَانًا وَّاَنَّهُمْ لَا يَسْتَكْبِرُوْنَ ﴿٨٢﴾

उलमा हैं और राहिब हैं और इस वजह से के वो तकब्बुर नहीं करते।